वर्ष : 17 ❖ अंक : 46 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

# अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 16 सितम्बर 2022

371एफ की रक्षा के लिए आईएलपी एकमात्र समाधान : भाइचुंग 8

महिलाओं और बच्चों को लेकर बीजेपी ने नीतीश-तेजस्वी पर बोला हमला 3

## किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री शर्मा

### सिक्किम की शांति में खलल डालने की हो रही है कोशिश : जैकब

**अनुगामिनी नि.सं.**

गेजिंग, 15 सितम्बर । पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिलान्तर्गत गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के लोअर बर्फोक चंदाबुंग में राज्य के कृषि व बागवानी मंत्री लोकनाथ शर्मा ने आज हि मार्तम ग्रामीण हाट घर के शिलान्यास के साथ ही चिजपोखवा स्मृति बगान परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रिन्चेपोंग क्षेत्र के विधायक केएस लेप्चा, सिक्किम राज्य बैंक के अध्यक्ष डीबी गुरुंग, पशुपालन सलाहकार दुर्गाप्रसाद प्रधान, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, रंगीत नगर अध्यक्ष रामकुमार छेत्री, नाबार्ड महाप्रबंधक के अलावा कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री लोकनाथ शर्मा ने नये ग्राम प्रशासन केंद्र नजुर बर्फेक की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को धन्यवाद देते हुए ग्रामीण हाट घर के निर्माण हेतु नाबार्ड के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी को यह पता चल गया है कि पिछले तीन वर्षों की अवधि में राज्य सरकार ने क्या किया है। वर्तमान राज्य सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण स्तर पर किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारना है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए किये गये कार्यों का बखान करते हुए कहा कि उनके लिए 15 हजार रुपए न्यूनतम वेतन और ई-कार्ड के माध्यम से दो लाख सहयोग राशि प्रदान करने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि यहां स्थापित होने वाले ग्राम प्रशासन केंद्र द्वारा स्थानीय नागरिकों को सहायता प्रदान की जायेगी। साथ ही उन्होंने शीघ्र ही और पांच नई पंचायतों के गठन और इलाके में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी, पशुपालन, पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों में नयी योजनाओं का जिक्र किया।

इसके अलावा मंत्री शर्मा ने केंद्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा 100 शय्याओं वाले अस्पताल निर्माण तथा लेगशेप से पेलिंग तक नये राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की भी जानकारी दी। उन्होंने कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा दी गयी सुविधाओं का ग्रामीण जनता द्वारा लाभ उठाने का भी सुझाव दिया।

वहीं कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों से सिक्किम की शांत स्थिति में खलल डालने हेतु किये जा रहे प्रयासों की बात कही। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को पूरा करने हेतु धरना पर बैठना लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन जनता के हित के लिए प्रतिबद्ध सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन अच्छी संस्कृति नहीं है। उनके अनुसार ऐसा कर कुछ लोग राज्य की शांत स्थिति को अशांत करना चाह रहे हैं। इस सम्बंध में उन्होंने तदर्थ शिक्षकों के नियमितकरण, टैक्सी चालकों की समस्या के समाधान तथा गेजिंग कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए ढांचागत निर्माण के आश्वासन के बावजूद इस विषय को लेकर धरना-प्रदर्शन अनावश्यक है।

इसके साथ ही खालिंग ने किसी का नाम न लेते हुए राज्य के ही लोगों द्वारा बाहर के व्यक्तियों को सिक्किम के मुद्दे को लेकर धरना करने हेतु प्रोत्साहित करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान की धारा 371एफ सिक्किम का मुख्य कवच है और वर्तमान राज्य सरकार इसे सुरक्षित रखना चाहती है। उन्होंने लोगों से इस प्रकार के धरना-प्रदर्शन पर ध्यान न देने को कहा।

## बीजेपी-एसकेएम गठबंधन पार्टी के सांगठनिक विस्तार में बाधक : चौहान

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 15 सितम्बर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से देशभर में शुरू होने वाले सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की सिक्किम राज्य कार्यकारिणी की एक बैठक गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष डीबी चौहान की अध्यक्षता में सिंगताम स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गयी। इस बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती को समाप्त होने वाले सेवा पखवाड़ा के लिए दैनिक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर दायित्व सौंपे गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दो सप्ताह तक चलने वाले इस सेवा कार्यक्रम के दौरान पार्टी द्वारा विभिन्न अस्पतालों में रक्तदान शिविर, टीबी जागरुकता अभियान, पौधरोपण कार्यक्रम, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवनी पर वेबिनार के साथ ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसके अलावा 17 सितम्बर से अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, अस्पतालों में भी कार्यक्रम होंगे जिसमें पार्टी के सभी पदाधिकारी, विधायक और कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल होंगे।

आज की उक्त बैठक में प्रदेश अध्यक्ष डीबी चौहान ने विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों, आगामी पंचायत चुनाव और मौजूदा ज्वलंत मुद्दों पर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी और एसकेएम पार्टी के बीच तथाकथित गठबंधन पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए कहा कि इस गठबंधन के कारण भाजपा के संगठनात्मक विस्तार को बड़ा झटका लग रहा है और गठबंधन से भाजपा कार्यकर्ताओं को कोई फायदा नहीं है। इसके विपरीत सत्ताधारी पार्टी द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर विभिन्न प्रलोभन एवं दबाव देकर अपनी पार्टी में लाने की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार सत्ताधारी पार्टी की इस तरह की गतिविधियों से गठबंधन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में व्यापक असंतोष है।

इसके अलावा, कुछ बाहरी तत्वों के सिक्किम के अस्तित्व और संविधान के अनुच्छेद 371एफ के खिलाफ बयानबाजी के बारे में बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने इसे देश विरोधी और संविधान विरोधी करार दिया। उनके अनुसार भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो हमेशा देश को एकजुट करने का काम करती है। वह देश की एकता और अखंडता और सिक्किम के अस्तित्व को प्रभावित करने वाली ऐसी असंवैधानिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

वहीं बैठक को सम्बोधित करते हुए विधायक डीआर थापा ने भी विभिन्न समसामयिक मुद्दों को लेकर प्रदेश कार्यकारिणी को अवगत कराया। बैठक में पार्टी महामंत्री भरत दुलाल, उपाध्यक्ष एसबी कार्की, अर्जुन राई, विधायकगण एनके सुब्बा, डीआर थापा, केबी राई, श्रीमती राजकुमारी थापा, श्रीमती फरवंती तमांग के अलावा प्रदेश पदाधिकारी, कार्यकारी सदस्यगण एवं अन्य लोग शामिल हुए।

## आत्मनिर्भर भारत को साकार करने में समाज करे सहयोग : राज्यपाल

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 15 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज 42-सिरवानी जीपीयू, खामदोंग, पूर्वी सिक्किम में दोचुम जूनियर हाई स्कूल का दौरा किया। उन्होंने विद्यालय के सभागार का उद्घाटन किया जिसका निर्माण क्षेत्र के विधायक द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के साथ संयुक्त राज्यपाल के विवेकाधीन कोष से प्राप्त समर्थन से किया गया था।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मंत्री-सह-क्षेत्र विधायक डॉ एमके शर्मा, एडीसी (विकास), पूर्वी राधा प्रधान, एसडीएम, बीडीओ और अन्य अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, जिला पंचायत, ग्राम पंचायत, एनएचपीसी के वरिष्ठ प्रबंधक, स्कूल प्रभारी, दोचुम जूनियर हाई स्कूल के शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे। मई 2022 में, राज्यपाल ने डोचुम जूनियर हाई स्कूल सभागार के नवीनीकरण के लिए पांच लाख रुपये दिए थे। इसके साथ ही क्षेत्र विधायक से मिली आर्थिक मदद से स्कूल ने सभागार का निर्माण शुरू किया था।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल ने राज्यपाल को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। स्थानीय रूप से काटी गई जैविक सब्जियां, सिरवानी के स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पाद और एक स्थानीय युवा द्वारा बनाए गए चित्र भी राज्यपाल को भेंट किए गए। प्राथमिक वर्ग और माध्यमिक स्तर के स्कूली बच्चों ने 'स्वच्छ भारत अभियान' पर विभिन्न गीत, नृत्य और एक नाटक का प्रदर्शन किया।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद ने देश के समग्र विकास के लिए सबसे पहले गांवों के विकास के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने स्कूल सभागार के निर्माण के ( शेष पृष्ठ ०३ पर )

Azadi Ka Amrit Mahotsav

MSME Development & Facilitation Office

Azadi Ka Amrit Mahotsav

**MSME- DEVELOPMENT & FACILITATION OFFICE, MINISTRY OF MSME, GOVT. OF INDIA, TADONG, GANGTOK, SIKKIM – 737102**

E-Mail: dcdi-gangtok@dcmsme.gov.in Website : www.msmedigangtok.gov.in

**One Day National Seminar / Workshop on Export opportunities of Agro Processed Food Products ORGANISED BY MSME-DFO, GANGTOK**

*In Association With*

Director General of Foreign Trades, (DGFT), Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA), Bureau of Indian Standard (BIS), Federation of Indian Export Organization (FIEO), Spice Board of India, Exim Bank etc.

| | | |
|---|---|---|
| Venue | : | Seminar Hall, Paryatan Bhawan,Tourism Office, Tadong, gangtok. |
| Registration | : | Registration by application and on the first cum first serve basis. Only selection and confirmed participation will be intimated for Participation. |
| Last Date of Registration | : | 25.09.2022 up to 5.00 pm. Application beyond this date will not be accepted. |
| Participation Fees | : | Free. |
| Course Material | : | All the candidates will be provided course material, pad, pen etc. |
| Refreshments | : | Lunch, Tea / Coffee etc. will be provided during the seminar |

| THEME | PROPOSED SEHEDULE | TIME |
|---|---|---|
| Export opportunities of Agro Processed Food Products | 28TH SEPTEMBER-2022 | 9.0 AM TO 5.0 PM |

For Detail please Contact: MSME-DEVELOPMENT & FACILITATION OFFICE, TADONG, GANGTOK.
1. D.R.Sharme, Asst. Director, MSME-DFO, Gangtok. Mob : 9434485238
2. Nirmal Chowdhury , Asst. Director, MSME-DFO, Gangtok. Mob : 9433222137

**APPLICATION FORM**

Sir,
Please register the following nominee(s)* for participation in the One Day National Seminar / Workshop on Export opportunities of Agro Processed Food Products to be held at Gangtok, Sikkim on 28th September 2022 under Procurement & Marketing Support Scheme, Organized by MSME- Development & Facilitation Office, Gangtok in association with DGFT, APEDA, FIEO, BIS, Spices Board, Exim Bank and others related stakeholders.

Name :
Fathers Name :
Unit / SHG Name :
Udyam Regn. No. :
Any other Regn. No. :
Address :
Mobile No & Mail ID :
Name of the product :
Category of Entrepreneur (SC/ST/OBC/General) :

**Date** **Designation** **Signature**

N.B. : Last date of submission of application : 25.09.2022 up to 5.00 pm. Application sent to the following mail ID : dcdi-gangtok@dcmsme.gov.in.
For Detail please Contact: MSME-DEVELOPMENT & FACILITATION OFFICE, TADONG, GANGTOK.

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY DIRECTOR GENERAL OF FOREIGN TRADE · APEDA · FIEO · एक्सिम बैंक EXIM BANK

# पूर्वोत्तर को शांतिपूर्ण, विकसित बनाने के लिए किए जा रहे हैं तमाम प्रयास : अमित शाह

नई दिल्ली, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर को विकसित बनाने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं जिसमें सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में शांति स्थापना की कोशिश है। केन्द्र, असम सरकार और आठ आदिवासी समूहों के प्रतिनिधियों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए गृहमंत्री ने उक्त बात कही।

आधिकारिक बयान के अनुसार, आदिवासियों और असम के चाय बागान के कामगारों के बीच दशकों पुराने संकट को समाप्त करने के लिए इस समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते पर बीसीएफ, एसीएमए, एएएनएलए, एपीए, एसटीएफ, एएएनएलए (एफजी), बीसीएफ (बीटी) और एसीएमए (एफजी) ने हस्ताक्षर किया। गृहमंत्री ने कहा कि शांतिपूर्ण और समृद्ध पूर्वोत्तर के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरुप हुआ यह समझौता पूर्वोत्तर को 2025 तक उग्रवाद मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पूर्वोत्तर को शांत और विकसित बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए हैं जिनमें सबसे प्रमुख पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करना है। शाह ने कहा कि असम के आदिवासी समूहों के 1,182 सदस्य हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर को शांत और समृद्ध बनाने के लिए वहां की अद्भुत संस्कृति का संवर्धन और विकास करने, सभी विवादों का निपटारा कर स्थायी शांति स्थापित करने और पूर्वोत्तर में विकास को गति देने की दिशा में कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें संवादहीनता और हितों के टकराव के कारण अलग-अलग गुटों ने हथियार उठा लिए थे जिसके कारण इन गुटों और राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ों में हजारों लोगों की जान गई।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने तय किया है कि 2024 से पहले पूर्वोत्तर के राज्यों के बीच सीमा विवादों और सशस्त्र गुटों से संबंधित सभी विवादों को हल कर लिया जाएगा। जिन समूहों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया है वे 2012 से ही संघर्षविराम में हैं और तय शिविरों में रह रहे हैं।

परेश बरुआ के नेतृत्व वाले प्रतिबंधित उल्फा के कट्टरपंथी धड़े और कामतापुर लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन के अलावा असम में सक्रिय अन्य सभी विद्रोही समूहों ने सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर लिया है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि मोदी नीत सरकार का रिकॉर्ड है कि उसने अभी तक हुए सभी समझौतों में 93 फीसदी को पूरा किया है जिसके कारण असम सहित पूरे पूर्वोत्तर में शांति स्थापित हो रही है।

समझौते के अनुसार, भारत और असम सरकार की जिम्मेदारी है कि वे आदिवासी समूहों की राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा करें। समझौते के अनुसार, आदिवासी समूहों की सामाजिक, सांस्कृतिक, जातीय और भाषाई पहचान को संरक्षित करने और उन्हें मजबूत बनाने का प्रावधान किया गया है। समझौता में आदिवासी कल्याण और विकास परिषद के गठन का प्रावधान है जिसका लक्ष्य चाय बगानों का तेजी से और लक्ष्यकृत विकास करना, सशस्त्र सदस्यों के पुनर्वास की व्यवस्था करना और चाय बगान मजदूरों के कल्याण का काम करना है।

आदिवासी आबादी वाले क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अगले पांच साल में 1,000 करोड़ रुपए (500 करोड़ रुपए केन्द्र से, 500 करोड़ रुपये असम सरकार से) का विशेष पैकेज दिया जाएगा। तिवा लिबरेशन आर्मी और यूनाइटेड गोरखा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन के सभी सदस्यों ने हथियारों और गोला-बारूद के साथ जनवरी में आत्मसमर्पण कर दिया था। कुकी ट्राइबल यूनियन के सदस्यों ने अगस्त में अपने हथियार डाल दिए थे। दिसंबर 2020 में, बोडो उग्रवादी समूह एनडीएफबी के सभी गुटों के लगभग 4,100 सदस्यों ने अधिकारियों के सामने अपने हथियार डाल दिए थे।

## सरकार ने असम के 8 आदिवासी आतंकवादी समूहों के साथ समझौता किया, गृहमंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने असम के कुछ हिस्सों में स्थायी शांति लाने के लिए आठ आदिवासी आतंकवादी संगठनों के साथ बृहस्पतिवार को एक समझौते किया। त्रिपक्षीय समझौते पर राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा तथा अन्य की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आठ समूह शामिल हैं।

इन आठ समूहों में ऑल आदिवासी नेशनल लिबरेशन आर्मी, आदिवासी कोबरा मिलिटेंट ऑफ असम, बिरसा कमांडो फोर्स, संथाल टाइगर फोर्स और आदिवासी पीपुल्स आर्मी शामिल हैं। समूहों के साथ 2012 से संघर्ष विराम समझौता चल रहा है। शर्मा ने कहा, मुझे विश्वास है कि समझौता होने से असम में शांति और सद्भाव के एक नए युग की शुरुआत होगी। परेश बरुआ के नेतृत्व वाले उल्फा के कट्टरपंथी गुट और कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन को छोड़कर, राज्य में सक्रिय अन्य सभी विद्रोही समूहों ने सरकार के साथ शांति समझौता कर लिया है।

तिवा लिबरेशन आर्मी और यूनाइटेड गोरखा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन के सभी सदस्यों ने हथियारों और गोला-बारूद के साथ जनवरी में आत्मसमर्पण कर दिया था। कुकी ट्राइबल यूनियन के आतंकवादियों ने अगस्त में अपने हथियार डाल दिए थे। दिसंबर 2020 में, बोडो उग्रवादी समूह एनडीएफबी के सभी गुटों के लगभग 4,100 सदस्यों ने अधिकारियों के सामने अपने हथियार डाल दिए थे।

## दो दिवसीय दौरे पर समरकंद के लिए रवाना हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। शंघाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समरकंद रवाना हो गए हैं। अपने दो दिवसीय उज्बेकिस्तान की यात्रा के दौरान पीएम मोदी कई बैठकों में शामिल होंगे। वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात कर सकते हैं। समरकंज रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि वह समूह के अंदर मौजूदा मुद्दों, विस्तार और सहयोग को आगे बढ़ाने के बारे में विचारों के आदान-प्रदान को लेकर उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और ईरानी नेता इब्राहिम रईसी सहित अन्य नेताओं के साथ एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर वहां का दौरा कर रहे हैं। उज्बेकिस्तान एससीओ का मौजूदा अध्यक्ष है।

मोदी ने रवाना होने से पहले एक बयान में कहा, 'एससीओ शिखर सम्मेलन में, मैं मौजूदा, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, एससीओ के विस्तार एवं संगठन के भीतर बहुआयामी तथा परस्पर लाभकारी सहयोग को और गहरा करने के लिए विचारों के आदान-प्रदान को लेकर उत्सुक हूं।' उन्होंने कहा, 'उज्बेक अध्यक्षता में व्यापार, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्रों में परस्पर सहयोग के लिए कई निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह राष्ट्रपति मिर्जियोयेव से मिलने को भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे 2018 की उनकी भारत यात्रा याद है। उन्होंने 2019 में वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में भी भाग लिया था। इसके अलावा, मैं शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले कुछ अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करूंगा।'

## केंद्र बंगाल में 3 नए हवाईअड्डे रोक रहा : ममता

कोलकाता, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तीन नए हवाईअड्डों की स्थापना में अनिश्चित काल के लिए देरी हो रही है, क्योंकि केंद्र इसकी अनुमति नहीं दे रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खड़गपुर शहर में पश्चिमी मिदनापुर जिले के लिए एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल में बालुरघाट, कूचबिहार और मालदा में तीन नए हवाईअड्डे स्थापित करने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार ने इन तीन प्रस्तावित नए हवाईअड्डों के लिए जमीन भी तय की है। लेकिन प्रक्रिया केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के पास अटकी हुई है। हमें अनुमति नहीं दी जा रही है।'

ममता ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत धन जारी नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा, 'केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में पश्चिम बंगाल अव्वल है। इससे केंद्र सरकार को ईर्ष्या है और उसने जानबूझकर विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के तहत धन जारी करना बंद कर दिया है।'

उन्होंने यह भी कहा कि वह अब केंद्र सरकार की दया का इंतजार नहीं करेंगी। उन्होंने कहा, 'हम सांसदों और विधायकों को आवंटित विकास निधि से अपनी लंबित परियोजनाओं को पूरा करेंगे।'

ममता की बातों का खंडन करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने दावा किया कि धन के घोर दुरुपयोग और राज्य सरकार द्वारा पिछले व्यय के उपयोग प्रमाणपत्र नहीं दिए जाने के कारण केंद्र ने धन रोक दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया, 'कई मामलों में केंद्रीय परियोजनाओं के नाम बदले गए, ताकि राज्य सरकार इसे राज्य की परियोजना के रूप में पेश कर सके। हमेशा की तरह मुख्यमंत्री गलत जानकारी फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं।'

## केस सूचीबद्ध करने की नई प्रणाली पर सभी जज एकमत : यूयू ललित

नई दिल्ली, 15 सितम्बर (एजेन्स)। सीजेआई उदय उमेश ललित ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ के मामलों को सूचीबद्ध करने की नई प्रणाली की आलोचना करने से जुड़ी मीडिया में आई खबरें सही नहीं हैं और शीर्ष अदालत के सभी न्यायाधीश इस पर एक राय रखते हैं। भारत के 49वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर 27 अगस्त को पदभार ग्रहण करने वाले न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि शीर्ष अदालत ने मामलों को सूचीबद्ध करने की एक नई प्रणाली अपनाई है और शुरुआत में कुछ समस्याएं होना तय है।

जस्टिस ललित ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा सीजेआई बनने पर उन्हें सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, लिस्टिंग और अन्य चीजों सहित हर चीज के बारे में बहुत सी बातें कही गई हैं। मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच है कि हमने यह नई शैली, सूचीबद्ध करने का एक नया तरीका अपनाया है। स्वाभाविक रूप से कुछ समस्याएं हैं। जो कुछ भी रिपोर्ट किया गया है वह सही स्थिति नहीं है। हम सभी न्यायाधीश पूरी तरह से इसे लेकर एक राय रखते हैं।

जस्टिस ललित स्पष्ट रूप से मीडिया में आई उन खबरों का हवाला देते हुए दावा कर रहे थे कि शीर्ष अदालत की एक पीठ ने वर्षों से लंबित मामलों के त्वरित निपटान के लिए नए सीजेआई द्वारा शुरू की गई मामलों को सूचीबद्ध करने की एक नई प्रणाली पर अपने न्यायिक आदेश में नाराजगी व्यक्त की है। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने एक आपराधिक मामले में जारी आदेश में कहा है, मामलों को सूचीबद्ध करने की नयी प्रणाली मौजूदा मामले की तरह के मुकदमों की सुनवाई के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पा रही है, क्योंकि भोजनावकाश के बाद के सत्र' में कई मामले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं।

जस्टिस कौल वरीयता क्रम में उच्चतम न्यायालय के तीसरे वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 29 अगस्त को जबसे मामलों को सूचीबद्ध करने की नई प्रणाली शुरू हुई तबसे 14 सितंबर तक शीर्ष अदालत ने 1,135 नई याचिकाओं के मुकाबले 5,200 मामलों का फैसला किया। न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि यह उच्चतम न्यायालय के अन्य साथी न्यायाधीशों और वकीलों द्वारा किए गए प्रयासों के कारण संभव हुआ है।

जस्टिस ललित ने कहा, वास्तव में, वेणुगोपाल (अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल) ने हमें बताया कि 29 अगस्त को हमने शुरुआत की थी और कल तक हम 5,000 हजार मामलों या ज्यादा सटीक तौर पर कहूं तो 5,200 मामलों को निस्तारित कर सके जबकि इस दौरान नए मामले 1,135 दायर हुए। ऐसे में नए मामले 1,135 हैं और निस्तारित मामले 5,200। यह मेरे सभी साथी न्यायाधीशों और बार के सदस्यों के प्रयासों से संभव हो सका। उन्होंने कहा, यह सच है कि इस बदलाव के कारण, कुछ अवसर और कुछ उदाहरण ऐसे रहे हैं जहां मामलों को कम से कम संभावित नोटिस के साथ अंतिम समय में सूचीबद्ध किया गया था।

इसने न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं के लिए एक जबरदस्त काम का बोझ पैदा कर दिया और मैं वास्तव में अपने सभी साथी न्यायाधीशों को मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ सब कुछ निर्वहन करने के लिए ऋणी हूं और यही कारण है कि हम 1,135 नए मामलों के मुकाबले 5,200 मामलों का निस्तारण करने में सक्षम हुए। इसका मतलब है कि हम 4,000 बकाया मामलों को कम करने में सक्षम रहे जो एक अच्छी शुरुआत है।

उन्होंने कहा कि कई मामले काफी समय से लंबित थे और निरर्थक हो गए थे और उनका निपटारा किया जाना था, इसलिए उन्हें सूचीबद्ध किया गया और परिणाम सभी के सामने हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह हमेशा से उनका सपना रहा है कि एक दिन वह शीर्ष अदालत के न्यायाधीश बन सकें और उनकी पत्नी को हमेशा इस बात की जानकारी थी कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है, इसलिए जब उन्हें न्यायमूर्ति बनने के लिए वास्तव में पेशकश की गई तो पत्नी से परामर्श करने की कोई आवश्यकता नहीं लगी। उन्होंने कहा, यही कारण है कि मैंने एक संबोधन में कहा कि जब यह (पेशकश) आयी और जब न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा (तत्कालीन सीजेआई) ने मुझे (न्यायाधीश पद) की पेशकश की तो मैंने अपनी पत्नी से भी सलाह नहीं ली, यह उस पृष्ठभूमि में था। यह ऐसा नहीं था कि कोई भी पति अपनी पत्नी की सलाह के बिना ऐसा काम कभी नहीं कर सकता।

## 'दो तरह के लोग कांग्रेस छोड़ते हैं, हिमंत सरमा दूसरी कैटेगरी के हैं', जयराम रमेश का तंज

तिरुवनंतपुरम, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत समेत कांग्रेस के आठ विधायकों ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। पार्टी में हुई बगावत से नाराज कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने बागी नेताओं पर जमकर निशाना साधा। गोवा कांग्रेस विधायकों के दलबदल के बारे में बात करते हुए, जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि केवल दो तरह के लोग कांग्रेस छोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि पहली कैटेगरी में वे लोग शामिल हैं जिन्हें पार्टी से सब कुछ मिला है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद का उदाहरण देते हुए, जयराम रमेश ने कहा, 'पहली कैटेगरी में वे लोग शामिल हैं जिन्हें पार्टी से खूब लाभ हुआ है। गुलाम नबी आजाद इसका उदाहरण हैं। उन्हें पार्टी से सबकुछ मिला। उन्होंने पार्टी में युवा कांग्रेस अध्यक्ष से लेकर पीसीसी अध्यक्ष, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, महासचिव आदि तक सब कुछ हासिल किया। जो लोग कांग्रेस से लाभान्वित हुए हैं, वे ही पार्टी को लात मारकर छोड़ दे रहे हैं।'

जयराम रमेश ने दूसरी तरह के लोगों का जिक्र करते हुए कहा, 'दूसरी कैटेगरी में वे लोग हैं जो जांच एजेंसियों की चपेट में हैं। वे कांग्रेस छोड़कर जाएंगे और भाजपा में शामिल होंगे। जैसे ही वे भाजपा में शामिल होंगे, वे साफ हो जाएंगे। असम के मुख्यमंत्री को ही देखें। वे सबसे बढ़िया उदाहरण हैं। उनके खिलाफ एक भी मामला नहीं है। लेकिन जब वह कांग्रेस में थे तो भाजपा उन पर रोज हमला करती थी। अब वह मुख्यमंत्री बन गए हैं और भाजपा पूरी तरह से खामोश है।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि पार्टी छोड़ने वाले गोवा के विधायक भी इसी दूसरी कैटेगरी के हैं। जयराम रमेश ने कहा, 'ये 8 विधायक बीजेपी की वॉशिंग मशीन में चले गए। वे सबसे भ्रष्ट साथी हैं जिन्हें मैं जानता हूं।'

केरल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जयराम रमेश ने कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि कांग्रेस ने उन्हें (गोवा के 8 विधायकों को) पार्टी में लाकर गलती की। जयराम रमेश ने कहा, 'लेकिन अब जब वे भाजपा की वॉशिंग मशीन में चले गए हैं, तो वे मेरे कुर्ते की तरह बेदाग सफेद हो जाएंगे।' हालांकि जयराम रमेश ने कहा कि जो लोग सबकुछ हासिल करने के बाद भी जा रहे हैं उनकी जगह लेने के लिए एक व्यक्ति की जगह पर 20 से 30 युवा नेता पदों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

जयराम रमेश ने कहा, 'जब इनमें से कुछ बड़े नाम चले जाते हैं तो मुझे चिंता नहीं होती है। जितनी जल्दी वे चले जाएं उतना अच्छा है।'

गौरतलब है कि कांग्रेस ने 7 सितंबर को कन्याकुमारी से भारत जोड़ी यात्रा शुरू की है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा सहित पूरी भाजपा इस यात्रा पर सवाल उठा रही है। असम सीएम ने हाल ही में कहा था कि कांग्रेस को अपनी यात्रा पाकिस्तान में करनी चाहिए क्योंकि भारत पहले से ही एकजुट है। इससे पहले जयराम रमेश ने कहा था कि हेमंत बिस्वा सरमा को भाजपा के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने के लिए हर दिन कुछ अपमानजनक कहना पड़ता है।

## मनीष सिसोदिया की बीजेपी को चुनौती, कहा- अगर स्टिंग सही है तो सीबीआई मुझे गिरफ्तार करे

नई दिल्ली, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा उस कथित 'स्टिंग' ऑपरेशन वाले वीडियो को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे, जिसमें आबकारी नीति मामले के एक आरोपी को दिखाया गया है। सिसोदिया ने चुनौती दी कि अगर आरोप सच हैं तो जांच एजेंसी उन्हें गिरफ्तार करे। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता ने आरोप लगाया कि अगर सीबीआई उन्हें गिरफ्तार नहीं करती है तो माना जाएगा कि कथित स्टिंग वीडियो दिल्ली की अरविंद केजरीवाल नीत सरकार को अस्थिर करने के लिए भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालयों में रची गई साजिश का हिस्सा तथा एक और झूठ है।

उपमुख्यमंत्री ने यह भी मांग की कि अगर सीबीआई तथाकथित स्टिंग ऑपरेशन वाले वीडियो'' में लगाए गए आरोपों के आधार पर उन्हें सोमवार तक गिरफ्तार करने में विफल रहती है, तो प्रधानमंत्री यह स्वीकार करते हुए माफी मांगें कि उनके कार्यालय के लिए इस तरह की साजिशों में लिप्त होना गलत है। इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राजधानी की आम आदमी पार्टी (आप) घोटाले के उद्देश्य से नयी आबकारी नीति लेकर आई थी ताकि चुनिंदा लोगों को इसका फायदा मिले और इससे अर्जित धन का इस्तेमाल पंजाब और गोवा के विधानसभा चुनावों में किया जा सके।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कथित शराब घोटाले के आरोपी अमित अरोड़ा के एक कथित स्टिंग ऑपरेशन का हवाला दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वह या तो इस मामले में कार्रवाई करें या फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने संबंधी अपने पूर्ववर्ती बयानों के लिए सार्वजनिक माफी मांगें। पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल को पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

स्टिंग ऑपरेशन के संबंध में पूछे गए सवाल पर सिसोदिया ने एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा, चूंकि, सीबीआई को मेरे आवास और बैंक लॉकर से तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला, इसलिए वे एक नया स्टिंग ऑपरेशन वाला वीडियो लेकर आए हैं। उन्होंने दावा किया, मैं भाजपा से आग्रह करता हूं कि वह इस तथाकथित वीडियो को अभी सीबीआई को सौंप दे। सीबीआई, जो भाजपा की एक विस्तारित शाखा है, को तेजी से जांच करनी चाहिए और अगर स्टिंग ऑपरेशन में कोई सच्चाई है, तो चार दिनों के भीतर, सोमवार तक, मुझे गिरफ्तार कर लेना चाहिए।

# महिलाओं और बच्चों को लेकी बीजेपी ने नीतीश-तेजस्वी पर बोला हमला

सुपौल, 15 सितम्बर (नि.सं.)। बिहार में अपराधिक छवि और घोटालेबाज नेताओं के संगठन की सरकार है। राज्य का माहौल अराजक हो गया है। रोज लूट, हत्या, दुष्कर्म और डकैती की वारदातें हो रही है। मां-बहनों का घर से निकलना मुश्किल हो गया तो स्कूल से बच्चों के सकुशल लौटने तक परिजनों को चिंता लगी रहती है। यह परिणाम है अपराधियों को संरक्षण देने वाली सरकार का। यह बातें गुरुवार को भाजपा कोर कमेटी की बैठक में पहुंचे केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने प्रेस वार्ता में कही।

बेगूसराय में हुई गोलीबारी की घटना का जिक्र करते हुए गृह राज्यमंत्री ने कहा कि खुलेआम 10 किलोमीटर तक अपराधी गोली चलाता है। आम जनता गोली से जख्मी हुए और एक की मौत भी हो गई। लेकिन एफआईआर कराने के लिए बीजेपी कार्यकर्ताओं को संघर्ष करना पड़ा। बावजूद सीएम इस घटना को साजिश कहते हैं जो अशोभनीय है। अपराधियों को भी पता है वारदात को अंजाम देने के बाद उनके आका संरक्षण देंगे। इसलिए आने वाली औद्योगिक कंपनियां डर से नहीं आना चाह रही है। कुछ ही दिनों में सूबे का माहौल ऐसा हो गया है कि लोग पलायन करने लगे हैं। राज्य में गुंडाराज कायम हो गया है। सीएस नीतीश कुमार डिख्वटी सीएम के दबाव में कुछ नहीं कर पा रहे हैं। लाचार व बेबस हैं। ऐसा लगता है कि सीएम के मन में भी राजनीति के अपराधीकरण का विश्वास बैठ गया है।

नित्यानंद राय ने कहा कि देश में पहली बार गरीबों को पीएम नरेन्द्र मोदी जैसा मसीहा मिला है। पीएम विकास के लिए भगीरथ हैं। आज विकास की गंगा पीएम के नेतृत्व में गांव-गांव पहुंच रहा है। केन्द्र के पैसे से राज्य में विकास हो रहा है लेकिन नाम अपना कमाने में लगे हैं। जबकि राज्य का हाल यह है कि सरकारीकर्मी को वेतन देने के लिए सरकार पैसे तक नहीं है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि भाजपा राजनीति तो करती ही है लेकिन सेवा कार्य से अलग नहीं। इसलिए प्रधानमंत्री के जन्मदिन से लेकर गांधीजी की जयंती तक देशभर में भाजपा कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा मनाएंगे। इस दौरान सफाई, वृक्षारोपण, रक्तदान आदि के कार्यक्रम बूथ से मंडल, जिला, राज्य



और राष्ट्र स्तर पर आयोजित किये जाएंगे। इसके लिए 21 बिंदु तय किये गये हैं। कहा कि संगठन के विषय पर कोर कमेटी की बैठक में भाग लेंगे। 23 को गृह मंत्री अमित शाह पूर्णिया आ रहे हैं जिस कार्यकर्ता का मन होगा, जनभावना रैली में जा सकते हैं।

## आत्मनिर्भर भारत को साकार .......

लिए अतिरिक्त दो लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में संक्षेप में बताया और सभी से मादक द्रव्यों के सेवन से परहेज करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में 'आजादी का अमृत महोत्सव' का भी जिक्र किया और कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' को साकार करने के लिए नागरिक समाज को राष्ट्र निर्माण में भाग लेना चाहिए और देश को और ऊंचाइयों पर ले जाना चाहिए। उन्होंने जीपीयू के लोगों से स्कूल के विकास के लिए, जो भी संभव हो, योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बच्चे मिट्टी की तरह होते हैं, उनमें नैतिक मूल्यों को विकसित करना, उन्हें आकार देना और उन्हें कल के जिम्मेदार नागरिक बनाना हमारी जिम्मेदारी है।

मंत्री-सह-क्षेत्र विधायक डॉ एमके शर्मा ने सिंगतम-खामदोंग निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की ओर से राज्यपाल के समर्थन और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

Office of The Assistant Engineer

# Water Resources Department

**Mangan Sub-Division**
**Government of Sikkim**

**Memo No: 453/AE/WRD/Mng,** **Dated: 15.09.22**

**NOTICE INVITING TENDER**

For and on behalf of the Governor of Sikkim, The Assistant Engineer, Water Resources Department, Government of Sikkim invites sealed tenders in percentage Rate basis from the eligible contractors of appropriate class Vide **Notification No: 66/R&B PWD/Secy Dated: 08/01/2021,** for the works listed below-

| Sl. No. | Name of Work | Value put to Tender (in ₹) on Civil Works | Completion Time (in months) | Earnest Money @ ₹ 2.5% (in ₹) on Civil Work | Bank Receipt (for cost of tender document) | Constituency/ GPU/Ward |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Constt. of MIC from Namcha to Sokey Gaon Khet, Gairi ward | 17,03,557/- | 36 months | 42,589/- | 1000/- | **Kabi Lungchok / Lingchom Tingda/Gairi Ward** |
| 2 | Constt. of MIC at Lungba Busty under Gairi ward | 21,39,076/- | 36 months | 53,477/- | 2500/- | **Kabi Lungchok/ Lingchom Tingda/Gairi Ward** |
| 3 | Constt. of MIC from PheoKhola to L/ Lingchom under Lingchom ward | 11,85,013/- | 36 months | 29,625/- | 1000.00 | **Kabi Lungchok/ Lingchom Tingda/ Lower Lingchom Ward** |
| 4 | Constt. of MIC at Byachung under Kabi Tingda GPU | 20,02,261/- | 36 months | 50,057/- | 2500.00 | **Kabi Lungchok Lingchom Tingda / Gairi Ward** |
| 5 | Constt. of MIC from Dham Ari to Len P.F at Longbu | 18,46,036/- | 36 months | 46,151/- | 1000.00 | **Kabi Lungchok/ Kabi Rongpa/ Longbu Ward** |
| 6 | Constt. of MIC from Gyanak to Dokung | 21,28,712/- | 36 months | 53,218/- | 2500.00 | **Kabi Lungchok/ Kabi Rongpa / Kabi Ward** |
| 7 | Constt. of MIC at Phenzing to Dikigong, Kabi Tingda GPU | 16,78,767/- | 36 months | 41,969/- | 1000.00 | **Kabi Lungchok/ Kabi Rongpa/ Rongpa Ward** |
| 8 | Constt. Of MIC from Chuba Kyong to Pachoong | 17,37,287/- | 36 months | 43,432/- | 1000.00 | **Kabi Lungchok/ Kabi Rongpa/ Tingmoo Yungang Ward** |
| 9 | Constt. of MIC from Ralep to Sordong under Labi ward | 21,63,223/- | 36 months | 54,081/- | 2500.00 | **Kabi Lungchok/ Phensong/ Sardong Ward** |
| 10 | Constt. of MIC from Sedap Kyong to Simchung under Tingshim ward | 15,55,415/- | 36 months | 38,885/- | 1000.00 | **Kabi Lungchok/ Phensong/ Tingshim ward** |
| 11 | Constt. of MIC from Chumithangka to Rimpong P.F under Sefyong ward | 15,42,036/- | 36 months | 38,551/- | 1000.00 | **Kabi Lungchok/ Phensong/ Sefyong ward** |
| 12 | Constt. of MIC from Laychen to R.D Gyaltsen P.F and Others | 23,97,038/- | 36 months | 59,926/- | 2500.00 | **Kabi Lungchok/ Phensong/ Upper Phaney war** |

**Time Schedule is as follows:**

| | | |
|---|---|---|
| i) | Date of Submission of application with bank receipt for issue of Tender Documents (excluding Tender Form) | **22/09/2022 to 01/10/2022** Office of the Assistant Engineer,WRD, **Mangan Sub-Division** |
| ii) | Date of issue of Tender Form on submission of Earnest Money (TDR) | **18/10/2022& 19/10/2022** (within the office working hrs.). |
| iii) | Date and Time for submission of Tender form | **20/10/2022** (10.00 hrs. to 13:00 hrs.). |
| iv) | Date and Time for opening of Tender | **20/10/2022** (13.30 hrs. to 16:30 hrs.) in the office of the Assistant Engineer. |

**Note:** The details of tender documents including tender form can be obtained from office of the Assistant Engineer (WRD) **MANGAN** Sub Division on production of receipt of deposit made to **0702-80.800 (other receipts) .**

1. Tender shall open only to the eligible Contractors/Firms of appropriate Class/Area.
2. The intending tenderers/contractors should apply in writing for issue of tender documents. The application would invariably be signed by the contractor himself/herself.
3. The applicants should enclose attested copies of the following:
(a) Valid GSTIN Registration Certificate.
(b) Latest Income Tax clearance Certificate as per the Indian Income Tax Act .
(c) Validated Contractor Enlistment Certificate, and Professional Tax Clearance Certificates along with the application are mandatory to produce in original during sale/issue of the Tender Documents for verification
(d) PAN card.
4. The prescribed Non-Transferable Tender Documents (excluding the Tender Form) can be obtained during the period specified in (As above from the office of the Assistant Engineer (WRD) Mangan Sub Division on production of receipt deposit to the revenue head **0702-80.800 (other receipts).**
5. Earnest Money Deposit @2.5 % in the State Bank of Sikkim in the form of deposit receipt of scheduled bank which includes in the form of temporary deposit receipts in favour of Assistant Engineer, Mangan Sub Division of Water Resources Department. The Tender Form shall be issued only on the production of the bank receipt to the contractors who has obtained the tender documents, on production of bank receipts of 2.5% earnest money.
6. The Tender documents, including the Tender Form with quoted offer should be placed in a sealed cover with the name of the Tenderers and the name of the work superscripted on it. Supporting documents listed at SL.3 (a). (b) and (c) above should be enclosed with the offer.
7. Sealed Tenders may be deposited in the Tender Box in the office of concerned Assistant Engineer(WRD) on the date and time indicated above.
8. Tenders will be opened by a Tender Opening Committee as prescribed by the Government in the presence of the tenderer on the date and time indicated above.
9. The Tenderer should sign on every page of the tender documents as Acceptance of the General Direction and Conditions of Contract and other laid down norms. **The rate quoted should be both in figures and words and should be inclusive of GST and all other Taxes and Levies**. Over writing and correction should be avoided and if made should be authenticated. Incomplete/ Conditional tenders shall be rejected forthwith.
10. In case of any discrepancy in rate(s) printed in the Schedule of Rates and Quantities issued with the tender document, rates as per approved Schedule of Rates will be taken as correct. For items outside the SOR, the rates shall be as per the technically checked estimate & analysis. Decision of the Chief Engineer of the Department will be final in this regard.
11. The Work Value, scope and quantum of work are subject to change, the contractor shall execute the work as per the directives of the Department and specification. No claim on this account shall be entertained whatsoever. If any extra claim is made, it shall be as per the agreement.
12. Avoidable damages due to negligence of the contractor shall be at his own risk and cost. The Department shall not be liable for payment of such damages (if any), including accidents to laborers at site.
13. The offer shall remain valid for a period of 90 days. The work should commence within 15 days from the date of issue of work order and conclusion of agreement.
14. The department reserves the right to accept or reject any or all tenders without assigning any reason thereof.
15. Subletting of contract work is against the norms [redacted] notice, the original contract shall be cancelled and appropriate action sha [redacted] ntract agreement.
16. The Department also reserves the right to incre [redacted] modify the item of works as indicated in the NIT without assigning any [redacted]
17. The contractor will have to pay all taxes and dut [redacted] tified by the Sate/ Central Government and no claim shall be entertaine [redacted] ever.
18. The rate quoted shall be inclusive of prevailing ta [redacted]
19. The department reserves the right to reject the [redacted] out assigning any reasons there-off.
20. The Contractor has to submit the Work Program [redacted] stage.
21. **INDIRECT TAX MATTERS: -**
   A. The tax amount computed is subjected t [redacted] ange in rate of tax applicable on the date and time of supply or [redacted]
   B. The successful bidder shall have to furnis [redacted] stration along with valid NOC issued by Commercial Taxes Divis [redacted] rk order.
   C. GST shall be deducted at source at the rate [redacted] ll value at the time of payment including advance payment, adh [redacted] payment etc.
   D. The amount of GST payable over and abov [redacted] at the rate of 2% at source should be paid at the time of filing retu [redacted] of the date of bill or invoice as per the GST rules.
   E. All the payment for the work done shall be [redacted] valid NOC issued by Commercial Taxes Division.

***[redacted] Engineer***
***[redacted] b- Division***
***[redacted] es Department***
***[redacted] t of Sikkim***

**R.O. No. 157/IPR/PUB/Classi/2223, DT.: 15.09.2022** [redacted]

# झटका कांग्रेस को

आखिर गोवा में कांग्रेस की फूट सामने आ ही गई। बुधवार को प्रदेश विधानसभा में इसके कुल 11 में से आठ विधायक बीजेपी में शामिल हो गए। ऐसे समय जब पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है और देश भर में इसके पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है, बीजेपी की ओर से दिया गया यह झटका पार्टी की बहुप्रचारित यात्रा की भी हवा निकालने की कोशिश है। पार्टी छोड़ने वाले विधायकों में से एक ने बीजेपी में शामिल होने की औपचारिक घोषणा के बाद कहा भी कि यह कांग्रेस छोड़ो और बीजेपी को जोड़ो है।

बहरहाल, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के प्रभावों पर इसका कैसा और कितना असर होता है यह देखने वाली बात होगी, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि गोवा में कांग्रेस के लिए इस झटके से उबरना बहुत मुश्किल होगा। पिछले जुलाई में कांग्रेस ने खुद आरोप लगाया था कि बीजेपी उसके आठ विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। तब इस प्रयास को उसने नाकाम कर दिया था। लेकिन उसके बाद भी पार्टी नेतृत्व ऐसे संभावित प्रयासों को लेकर सतर्क नहीं हुआ या फिर चाहकर भी वह विधायक दल को टूटने से नहीं बचा सका। दोनों स्थितियों में उसे असुविधाजनक सवालों का सामना करना ही होगा।

ध्यान रहे, 2019 में कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुने गए 10 विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। उसका विधानसभा के अंदर तत्कालीन समीकरण पर और सरकार की मजबूती पर जो असर हुआ वह तो अलग, इस साल हुए विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी की विश्वसनीयता पर भी गहरा प्रभाव पड़ा।

चुनाव प्रचार के दौरान विरोधियों की ओर से कही जा रही यह बात लोगों को अपील कर रही थी कि कांग्रेस को चुनकर भी कोई फायदा नहीं है, उसके विधायक तो बाद में कहीं और चले जाएंगे। नौबत यहां तक आई कि कांग्रेस नेतृत्व ने अपने प्रत्याशियों को बाकायदा सार्वजनिक तौर पर शपथ दिलवाई कि वे चुनाव के बाद भी पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखेंगे। वह शपथ भी अब निरर्थक साबित हो गई।

बीजेपी को तात्कालिक तौर पर ताजा दलबदल से फायदा जरूर हुआ है। राज्य में उसकी सरकार अपने दम पर पूर्ण बहुमत में आ गई है।

40 सदस्यीय विधानसभा में अब तक उसके 20 सदस्य थे। हालांकि महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (दो) और निर्दलीय (तीन) विधायकों के समर्थन की बदौलत सरकार मजे में चल रही थी, लेकिन अब इस मोर्चे पर वह और निश्चिंत हो सकती है। फिर भी, विपक्षी दलों के विधायकों को येन-केन-प्रकारेण अपनी पार्टी में मिलाने की यह नीति न तो देश में लोकतंत्र का कुछ भला कर रही है और न ही बीजेपी की राजनीति को विश्वसनीयता दे रही है। इससे गठबंधन के सहयोगी दलों में भी संदेह और अविश्वास बढ़ता है।

# जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने का माध्यम बन रही है हिन्दी

रमाकांत पाण्डेय

अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू कश्मीर में जो बदलाव दिखाई पड़ रहे हैं, उसमें एक प्रमुख परिवर्तन भाषा के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। सितंबर 2020 को संसद द्वारा जम्मू कश्मीर में अंग्रेजी, हिन्दी, कश्मीरी, उर्दू और डोगरी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया। 5 अगस्त 2019 से पहले यहां केवल अंग्रेजी और उर्दू को ही राजभाषा के मान्यता प्राप्त थी। बाद में हिन्दी, कश्मीरी और डोंगरी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त होने के बाद यहां हिन्दी की लोकप्रियता शिखर पर पहुंचने लगी है। हिन्दी को अब अपना खोया गौरव वापस मिल रहा है। जम्मू कश्मीर में डिजिटल रिकॉर्ड हिन्दी में भी उपलब्ध होने लगा है।

राजभाषा का दर्जा प्राप्त होने के बाद सरकारी विभागों में अब काम हिन्दी में होने लगा है। सबसे बड़ा परिवर्तन राजस्व विभाग में देखने को मिल रहा है। जम्मू कश्मीर की बड़ी आबादी उर्दू नहीं समझती है। कश्मीर की अपनी भाषा कश्मीरी को वह सम्मान नहीं था, जो उसे मिलना चाहिए था। राजस्व विभाग के अधिकांश अभिलेख और भू-लेख उर्दू में बनाए जाते थे।, जिससे आम जनता को बहुत परेशानी होती थी। इसी कारण विभाग में भ्रष्टाचार फैला था। लोग राजस्व रिकॉर्ड हिन्दी में लेने के लिए अधिक आवेदन कर रहे हैं। केंद्र सरकार के कार्यालयों में भी हिन्दी का प्रयोग बढ़ने लगा है। अधिकांश कर्मचारी भी हिन्दी में कार्य करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। हिन्दी और अंग्रेजी में राजस्व रिकॉर्ड बनने और डिजिटल कार्यों में हिन्दी, अंग्रेजी के प्रयोग से शासन में पारदर्शिता आई है।

प्रदेश की नई राजभाषा नीति से पुलिस विभाग की कार्य प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। अब जिस भाषा में शिकायत आती है उसी में रिपोर्ट लिखी जाती है। पहले प्राथमिकी केवल उर्दू में ही लिखी जातीथी,अब लोग हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी में प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं।

हिन्दी को प्रदेश में राजभाषा का दर्जा प्राप्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी में अनुवाद का विशेष प्रकोष्ठ गठित किया गया है। जम्मू कश्मीर में अब हिन्दी के किताबों की बिक्री भी बढ़ी है। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के सचिव प्रोफ़ेसर भारत भूषण का कहना है की हिन्दी का पाठक जम्मू कश्मीर में पहले भी था, लेकिन अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से यहां हिन्दी का गुणात्मक रूप से उत्थान हुआ है, यहां के साहित्यकार भी काफी उत्साहित हैं।

जम्मू कश्मीर में हिन्दी के उत्थान का एक प्रमुख कारण वहां के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा का हिन्दी प्रेमी होना भी है। वे अपनी भारतीय वेशभूषा के साथ समारोहों और निजी बोलचाल में हिन्दी का खूब प्रयोग करते हैं। आम जनता से उनकी संवाद की भाषा तो हिन्दी ही होती है।

संक्षेप में कहे तो जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 और धारा 35 ए के हटने के बाद जिस तरह से राष्ट्रवाद और विकास कार्य बढ़ा है, उसी तरह हिन्दी को राजभाषा का दर्जा मिलने से ना केवल हिन्दी का विकास हो रहा है अपितु वह राष्ट्रीय एकता को भी बढ़ाने की एक और मजबूत कड़ी बन रही है।

# उभर रहीं कृषि चुनौतियां

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यद्यपि इस बार पूरे देश में मानसून की बारिश सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और मणिपुर जैसे राज्यों में सामान्य से कम बरसात होने से कृषि परिदृश्य पर परेशानियां दिखाई दे रही हैं।

इन प्रदेशों में खरीफ सीजन की खेती प्रभावित हुई है, और खास तौर से धान उत्पादन के लक्ष्यों के साथ-साथ आगामी रबी फसलों के रिकॉर्ड उत्पादन संबंधी चिंताएं दिखाई दे रही हैं। ऐसे में इस विषय पर सात सितम्बर को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में हुए राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-2022 में रणनीतिक कदम आगे बढ़ाने पर मंथन किया गया।

गौरतलब है कि अगस्त, 2022 के अंत में पाया गया है कि देश में खरीफ सीजन की बोआई अंतिम दौर में पहुंचने के बावजूद चालू सीजन में फसलों का कुल रकबा पिछले साल 2021 की अपेक्षा थोड़ा कम है। हाल ही में कृषि मंत्रालय एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक दो सितम्बर तक देश में खरीफ फसलों का कुल रकबा 1.6 फीसदी घटकर 1045.14 लाख हेक्टेयर रह गया है जबकि पिछले साल इस समय तक 1061.92 लाख हेक्टेयर में फसलों की बोआई हुई थी।

उल्लेखनीय है कि धान उत्पादक राज्यों में बारिश कम होने के कारण चालू खरीफ सत्र में अब तक धान फसल का रकबा 5.62 प्रतिशत घटकर 383.99 लाख हेक्टेयर रह गया है। एक साल पहले की समान अवधि में धान की बोआई 406.89 लाख हेक्टेयर में की गई थी। धान मुख्य खरीफ फसल है, और इसकी बोआई जून से दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरु आत के साथ शुरू होती है, और अक्टूबर से कटाई की जाती है। लेकिन धान की फसल के विपरीत कपास की बोआई में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। चालू सीजन में अगस्त माह के अंत तक देश भर में कपास का रकबा 6.81 फीसदी बढ़कर 125.69 लाख हेक्टेयर पहुंच गया जो पिछले साल समान अविध में 117.68 लाख हेक्टेयर था। कपास का बोआई क्षेत्र सामान्य क्षेत्र 125.57 लाख हेक्टेयर के भी पार पहुंच गया। धान के अलावा चालू खरीफ सत्र में अगस्त माह के अंत तक 129.55 लाख हेक्टेयर के साथ दलहन की बोआई में मामूली गिरावट आई है।

गौरतलब है कि वर्ष 2022 में असमान मानसून और मानसून की बेरु खी ने आगामी रबी सीजन की फसलों के लिए भी गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। मिट्टी में नमी की कमी देश के पूर्वी राज्यों में रबी की खेती और जलवायु परिदृश्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। ऐसे में मूडीज इनवेस्टर सर्विस (मूडीज) ने देश में बढ़ती ब्याज दरों और असमान मानसून के कारण भारत के आर्थिक विकास के अनुमान को घटा दिया है। इससे पहले मूडीज ने मई, 2022 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.8 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था, जिसे अब घटाकर 7.7 फीसदी कर दिया है। निश्चित रूप से इस बार के असमान मानसून और मानसून की बेरु खी के कारण देश की कृषि के सामने जो गंभीर चुनौतियां निर्मित हो गई हैं, उनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा शीघ्रतापूर्वक रणनीतिक तैयारी जरूरी है। जहां अभी रबी सीजन में खेती की तैयारियों में तेजी लाने के प्रयास करने होंगे वहीं खरीफ सीजन की मानसून से प्रभावित खेती के मद्देनजर आवश्यक उपाय भी सुनिश्चित करने होंगे।

इस समय सरकार ने छोटी जोत की चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक खेती के कॉन्सेप्ट को लागू किए जाने के साथ-साथ कम लागत वाली खेती को प्रोत्साहित करते हुए प्राकृतिक और जैविक खेती को भी आगे बढ़ाने का जो अभियान चलाया है, उसे आगे बढ़ाना होगा। यह महत्त्वपूर्ण है कि देश में दलहन और तिलहन की उन्नत खेती में लैब टू लैंड स्कीम के प्रयोग और वैज्ञानिकों की सहभागिता के साथ नीतिगत समर्थन की नीति से तिलहन मिशन को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। देश में उन्नत प्रजाति के बीजों की आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार दलहनों और तिलहनों के किसानों को मुफ्त मिनी किट बांट रही है। इसके लिए जलवायु आधारित चिह्नित गांवों को दलहन गांव घोषित किया गया है, जहां अनुसंधान केंद्रों के विज्ञानियों की देखरेख में दलहनी और तिलहनी फसलों की खेती की जा रही है। ऐसे प्रयासों को कारगर बनाया जाना होगा।

निश्चित रूप से भारत को कृषि में लगातार आगे बढ़ने के लिए अभी खाद्यान्न के अलावा अन्य सभी खाद्य उत्पादनों में आत्मनिर्भरता के लिए मीलों चलने की जरूरत हैं। खाद्य तेलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये की लागत से जिस महत्त्वाकांक्षी तिलहन मिशन की शुरुआत की है, उसे पूर्णतया सफल बनाने की जरूरत है। तिलहन उत्पादन के लिए नये कदम उठाए जाने होंगे।

तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने के साथ ही उत्पादकता बढाने के लिए विशेष जोर जेनेटिकली मोडिफाइड (जीएम) उन्नत प्रजाति के हाइब्रिड बीजों पर देना होगा। तिलहनी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना होगा। कृषि में डिजिटलीकरण बढ़ाना होगा। किसानों और कृषि संबंधी सूचनाओं के बेहतर आदान-प्रदान के लिए कृषि सूचना प्रणाली और सूचना प्रौद्योगिकी तथा राष्ट्रीय ई-गवनेंस योजना को सुदृढ़ करते हुए प्रोत्साहित करना होगा। किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने के साथ ही भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों के छिड़काव में ड्रोन तकनीक का अधिक उपयोग करना होगा।

उम्मीद करें कि सरकार वर्ष 2022 में असमान मानसून की चुनौतियों के मद्देनजर विभिन्न कृषि विकास कार्यक्रमों और खाद्यान्न, तिलहन और दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए लागू नई योजनाओं के साथ-साथ डिजिटल कृषि मिशन के कारगर क्रियान्वयन की डगर पर तेजी से बढ़ेगी।

उम्मीद करें कि सरकार कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में आधुनिकीकरण और फसलों के विविधीकरण की डगर पर तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में विभिन्न उपायों से इस समय असमान मानसून और मानसून की बेरुखी के कारण देश के कृषि मानचित्र पर चुनौतियों का जो चित्र उभर रहा है, उसमें बहुत हद तक सुधार हो सकेगा।

# आईसीसी ट्राफी जीतने का सपना

मनोज चतुर्वेदी

क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को आम तौर पर युवा खिलाड़ियों का खेल माना जाता है पर टी-20 विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में अनुभवी और आजमाए जा चुके खिलाड़ियों पर जोर दिया गया है।

पंद्रह सदस्यीय टीम के नौ खिलाड़ी 30 साल से ज्यादा के हैं। सवाल है कि क्या यह टीम भारत को चैंपियन बनाने की क्षमता रखती है। जवाब हां में हो सकता है पर इसके लिए टीम के प्रदर्शन में एकजुटता दिखना जरूरी है। हम जानते हैं कि पिछले विश्व कप में तो भारत नॉकआउट चरण तक में स्थान नहीं बना सका था।

पिछले दिनों एशिया कप में भारतीय टीम के उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने के पीछे प्रमुख समस्या दिग्गज बल्लेबाजों का समय पर क्लिक नहीं होना और गेंदबाजी का उम्मीदों के अनुरूप नहीं हो पाना था। खास तौर से पेस गेंदबाजों ने निराश किया। लेकिन जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल के आने से टीम के इस विभाग में मजबूती आना तय है। बुमराह और हर्षल, दोनों डेथ ओवर्स के विशेषज्ञ गेंदबाज हैं। अब जरूरत इस बात की रहेगी कि भुवनेश्वर कुमार शुरुआती ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करें। उन्होंने एशिया कप के अपने आखिरी मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ चार रन देकर पांच विकेट निकाले थे, उससे पुरानी रंगत में उनसे गेंदबाजी करने की उम्मीद की जा सकती है।

अर्शदीप सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ कैच टपका कर भले ही आलोचना का सामना किया पर उन्होंने अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया था। इस बाएं हाथ के पेस गेंदबाज के खेलने से आक्रमण में वेरायटी भी है। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को लगता है कि टीम में दीपक हुड्डा और हर्षल पटेल की जगह श्रेयस अय्यर और मोहम्मद शमी को होना चाहिए था। श्रेयस की जहां तक बात है तो वह मौकों को भुनाने में सफल नहीं हो सके और इस वजह से ही स्टैंडबाई खिलाड़ियों में शामिल हैं। हुड्डा के पक्ष में उनका स्पिन गेंदबाजी का विकल्प उपलब्ध कराना भी है। शमी शानदार गेंदबाज हैं पर पिछले विश्व कप में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाने के कारण ही चयनकर्ताओं को उनसे आगे देखना पड़ा है।

हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के मैदान काफी बड़े हैं, उसे देखते हुए स्पिन आक्रमण में युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन का चयन सही लगता है। टीम के तीसरे स्पिनर अक्षर पटेल को रविंद्र जडेजा के घुटने की सर्जरी के बाद फिट नहीं हो पाने की वजह से लिया गया है। हालांकि अक्षर अपनी गेंदबाजी की कई बार छाप छोड़ चुके हैं पर जडेजा जैसी बल्लेबाजी करने में सक्षम नहीं हैं। टीम के किसी भी प्रारूप में सफल रहने के लिए पहले तीन बल्लेबाजों रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली के बल्ले से रन निकलना जरूरी है। यह तिकड़ी चल निकले तो भारत को रोकना किसी के वश में नहीं दिखता। एशिया कप में इस तिकड़ी के लगातार और एक साथ नहीं चल पाने का खमियाजा भारत को भुगतना पड़ा था। लेकिन आखिरी मैच में कोहली के शतक ठोक कर रंगत में लौटने से स्थितियां काफी बदली हैं। ओपनरों रोहित और राहुल के प्रदर्शन पर भारतीय प्रदर्शन काफी निर्भर रहने वाला है।

एशिया कप में श्रीलंका ने दिखाया कि बिना सुपर स्टार के भी खिताब जीता जा सकता है। किसी भी खिलाड़ी के बहुत बड़ा स्कोर बनाए बगैर भी वह चैंपियन बन गई क्योंकि सभी बल्लेबाजों ने रनों में योगदान किया। इसलिए भारत यदि 2007 के बाद विश्व कप पर कब्जा जमाना चाहता है तो मध्य क्रम के बल्लेबाजों सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या के साथ हुड्डा, प्रत्येक को लगातार 30-35 रनों का योगदान करना होगा। विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक चुने गए हैं। दोनों आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। कार्तिक ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन से टीम में जगह बनाई है। उन्हें 16 से 20वें ओवर के बीच ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके मैच का रुख बदलने वाला खिलाड़ी माना जाता है। लेकिन भारतीय टीम में अब तक उनका सही उपयोग नहीं किया जा सका है। एशिया कप में तो जिस तरह उनके ऊपर ऋषभ को वरीयता दी गई उससे तो लगता है कि भारतीय टीम पंत पर ही भरोसा करने वाली है। पंत की प्रतिभा पर शायद ही किसी को शक हो लेकिन उनकी कमी हालात के हिसाब से बल्लेबाजी नहीं कर पाना है। अच्छा खेलने के दौरान गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाते रहे हैं। यदि शॉट चयन को ठीक कर लें तो टीम के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं।

भारतीय टीम काफी समय से आईसीसी ट्रॉफी से महरूम है। विराट और रवि शास्त्री की कप्तान और कोच की जोड़ी तो बिना आईसीसी ट्रॉफी के ही विदा हो गई। इस बार कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ की जोड़ी का इस विश्व कप में पहला इम्तिहान होने जा रहा है। रोहित की अगुआई में सभी खिलाड़ी अपनी क्षमता से खेल सके तो आईसीसी ट्रॉफी का सपना साकार हो सकता है।


NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR PADMA MORNING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:15/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 49L 11713
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 11713 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05618 23639 51509 59528 64744 70450 74477 81866 84945 99285
3rd Prize ₹450/-
1989 2523 3367 5535 5715 8161 8604 8940 9241 9281
4th Prize ₹250/-
0271 0393 0418 1680 1915 2881 5102 8273 8547 9612
5th Prize ₹120/-
0008 0188 0315 0491 0778 1004 1068 1081 1182 1294
1339 1497 1529 1551 1586 1755 1847 1903 1920 2034
2039 2267 2459 2570 2786 2932 3245 3579 3691 3763
3779 3874 4129 4201 4204 4216 4233 4304 4442 4464
4508 4556 4566 4577 4591 4831 4895 5025 5049 5078
5194 5335 5336 5458 5834 5841 5980 6104 6153 6183
6377 6496 6576 6700 6765 6975 7155 7472 7576 7651
7820 7855 7869 7964 8032 8219 8251 8351 8389 8421
8486 8524 8558 8574 8613 8656 8668 8700 8837 8974
9240 9308 9344 9411 9553 9667 9760 9873 9926 9939
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR VENUS THURSDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:15/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 96D 70371
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 70371 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
32762 35098 37493 38122 48125 52135 62711 70893 79225 88275
3rd Prize ₹450/-
0270 2415 3200 3908 4233 5857 6109 6190 6670 9075
4th Prize ₹250/-
0839 1723 1916 2557 4140 4373 4883 8478 8921 9731
5th Prize ₹120/-
0177 0486 0519 0647 0662 0936 0969 0987 1032 1151
1272 1303 1307 1325 1451 1550 1577 1591 1643 1741
2132 2196 2302 2434 2667 2724 2733 2779 2796 2876
3013 3117 3260 3318 3322 3496 3593 3649 3961 4024
4030 4078 4118 4191 4554 4603 4798 4910 4911 4999
5108 5142 5185 5186 5407 5414 5695 5743 5758 5759
5792 6008 6198 6245 6252 6356 6358 6507 6577 6586
6609 6636 6743 6822 6868 6917 7160 7259 7311 7409
7421 7466 7478 7924 7969 8026 8061 8264 8303 8558
8599 8611 8805 8887 9006 9057 9293 9773 9849 9850
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FALCON EVENING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:194 DrawDate on:15/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 91E 37549
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 37549 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
21410 23681 29724 30294 36200 49205 49540 65547 67944 81163
3rd Prize ₹450/-
0910 1401 3649 4198 4736 6109 7059 8619 9068 9132
4th Prize ₹250/-
1790 2930 3705 5838 6836 7612 8746 8928 9430 9620
5th Prize ₹120/-
0014 0120 0130 0182 0184 0300 0517 0546 0913 1043
1107 1159 1205 1212 1227 1324 1583 1816 1846 1907
1917 1986 2032 2034 2047 2081 2494 2579 2581 2664
3071 3155 3243 3286 3479 3583 3975 4043 4056 4079
4097 4192 4295 4600 4752 4799 4937 5123 5224 5285
5289 5323 5409 5420 5440 5622 5696 5700 5784 5798
5900 5904 6173 6296 6341 6385 6387 6439 7181 7198
7338 7419 7473 7544 7556 7618 7660 7666 8022 8177
8240 8285 8331 8392 8488 8497 8806 9039 9138 9200
9206 9272 9327 9554 9556 9607 9617 9704 9892 9955
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

# परफैक्ट फिगर के लिए आसन

**आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।**

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें-चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

## भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

# सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का-हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झडने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

# रिंग फिंगर से करें वजन कम

**सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।**

## सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

## मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त-दुरुस्त बनाती है।

# ओमेगा-थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

**क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।**

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

## बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता-पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा-थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

## एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा-3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

**सीखने की क्षमता बेहतर:** मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

## रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

## करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी-ओमेगा-थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

# कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

**जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।**




**मालूम** हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

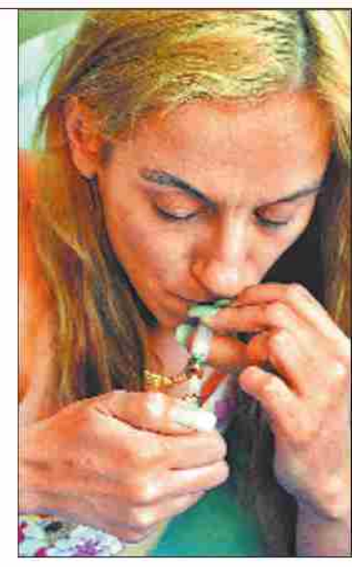

# पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

**ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।**

**आपकी त्वचा पर** रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

## बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्रायः उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय-समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

## सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

## ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ-सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्रायः दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

## डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

## अमेरिकी सांसदों ने भारत के साथ मजबूत संबंधों का संकल्प लिया, चीन को 'बड़ा खतरा' बताया

वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने कहा कि चीन द्वारा दुनिया के समक्ष पेश किए जा रहे ''बड़े खतरे'' को देखते हुए भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। कांग्रेस सदस्य एलेन गुडमैन लुरिया ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के जश्न समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने सशस्त्र सेवा समिति में काम किया और वाकई यह समझती हू कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते कितने अहम हैं।'' वह प्रतिनिधि सभा में वर्जीनिया के दूसरी कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करती हैं। गौरतलब है कि 75 भारतीय-अमेरिकी संगठन 1947 के बाद की भारत की यात्रा की ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए। कैलिफोर्निया के 48वीं कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से कांग्रेस सदस्य मिशेच युजू स्टील ने कहा, ''कई भारतीय-अमेरिकी असल में कैलिफोर्निया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और मुझे इस पर बहुत गर्व है। हम एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि चीन दुनिया के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा, ''हमें केवल एक चीज जानने की जरूरत है कि चीन बहुत बड़ा खतरा है...बहुत स्वार्थी ढंग से वे पूरी दुनिया में अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। दुनिया पर पूरी तरह अपनी हुकूमत जमाने तक वे चुप नहीं बैठने वाले हैं। इसे देखते हुए पहले के मुकाबले (अमेरिका भारत का) यह रिश्ता कहीं महत्वपूर्ण है।'' अमेरिकी संसद में चार भारतीय-अमेरिकियों में से एक कांग्रेस सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा निर्यात भारतीय-अमेरिकी हैं। उन्होंने कहा, ''हम भारत के बारे में सब कुछ जानते हैं कि उसने कहां से शुरुआत की और अब किस स्थिति में है। हम जानते हैं कि यह दुनिया में सबसे तेजी से उभर रही बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम उसके बड़े प्रौद्योगिकी विकास, बड़े कृषि विकास और नवोन्मेष के बारे में जानते हैं। उसका सबसे बड़ा निर्यात आपके अलावा और कुछ नहीं है।

## खालिस्तानी चरमपंथियों ने टोरंटो के स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाया

टोरंटो। कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के एक प्रमुख हिंदू मंदिर पर भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाकर उसे विरूपित करने का मामला सामने आया है। भारत ने इस घटना को घृणा अपराध करार देते हुए कनाडाई अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में यह घटना कब हुई, फिलहाल इस बारे में पता नहीं चल पाया है। टोरंटो स्थित भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को ट्वीट किया, 'हम टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों से घटना की जांच करने और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।' वहीं, कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने ट्विटर पर कहा, 'कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है। कनाडा के हिंदू मंदिरों को हाल के दिनों में इस तरह के कई घृणा अपराधों का सामना करना पड़ा है। इन घटनाओं को लेकर कनाडा के हिंदुओं की चिंताएं जायज हैं।' ब्रैम्पटन दक्षिण की सांसद सोनिया सिद्धू ने भी इस घटना पर खेद प्रकट किया। उन्होंने ट्वीट किया, 'टोरंटो में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने के कृत्य से मैं बहुत दुखी हूं। हम एक बहुसांस्कृतिक और बहु-आस्था वाले समुदाय में रहते हैं, जहां हर कोई सुरक्षित महसूस करने का हकदार है। घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए, ताकि उन्हें उनके कृत्यों की सजा दी जा सके।

## चीन के शंघाई में तबाही मचाने के बाद पूर्वी तट की ओर बढ़ा मुइफा तूफान

बीजिंग। 'मुइफा' तूफान बृहस्पतिवार को चीन के पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले, बीती रात तूफान के चलते शंघाई शहर में तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बुधवार देर रात तूफान के तट से टकराने के बाद अधिकतम 125 किलोमीटर (77 मील) प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं, लेकिन सुबह तक तूफान कमजोर होकर ऊष्णकटिबंधीय चक्रवात में बदल गया। बृहस्तिवार को इसके जियांग्सू प्रांत के पूर्वी हिस्सों की तरफ बढ़ते सम और कमजोर होने का पूर्वानुमान है। शंघाई क्षेत्र में तूफान से किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है और बृहस्पतिवार को सार्वजनिक परिवहन सेवाएं फिर से शुरू की जा रही है। इससे पहले, तूफान के क्षेत्र से गुजरते समय इन सेवाओं पर रोक लगा दी गई थी। सोशल मीडिया पर दक्षिणी शंघाई के निंगबो शहर में जलभराव की तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में बीती रात हुई भारी बारिश के बाद कई स्कूटर और कार पानी में डूबी हुई दिख रही हैं। जियांग्सू में तूफान की दस्तक के साथ भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है और प्रांत के सभी जिलों में बृहस्पतिवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि बृहस्पतिवार सुबह अधिकतम 108 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जो दिन ढलते-ढलते धीरे-धीरे कमजोर होती चली जाएंगी।

## स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी बातें लिखी, भारतीयों में गुस्सा -कनाडा के ब्रैम्पटन की घटना

टोरंटो । कनाडा स्थित स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी बातें लिखने का मामला सामने आया है। ना सिर्फ ऐसा किया गया है, बल्कि मंदिर की दीवार को कुछ को नुकसान भी पहुंचाया है। अराजक तत्वों द्वारा मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी लाइनें लिखी गई हैं। मामले को लेकर भारत सरकार ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। भारतीय उच्चायोग ने घटना की निंदा कर कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने अपने ट्वीट में लिखा कि टोरंटो के स्?वामी नारायण मंदिर को नुकसान पहुंचाने और भारत विरोधी बातें लिखने की घटना का कड़े शब्?दों में निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार की है। फिलहाल भारतीय उच्चायोग ने मामले को कनाडा के अधिकारियों के समक्ष उठाकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है, घटना को किसी शख?स ने या किसी संगठन से जुड़े लोगों ने किया है। बताया जा रहा है कि मंदिर की दीवारों पर भारत के विरोध में खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे गए। इस मामले के सामने आने के बाद कनाडाई सांसद सोनिया सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा कि टोरंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हुई घटना से मैं व्यथित हूं। हम एक बहुसांस्कृतिक और बहुधर्मी देश में रहते हैं, जहां हर कोई सुरक्षित महसूस करने का हकदार है। जिम्मेदार लोगों को खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने निराशा जाहिर कर लिखा कि इस तरह की नफरत का कोई स्थान नहीं है। आशा है, कि जिम्मेदार अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इस पूरे मामले पर भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने कहा कि कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है।

## न्यूजीलैंड में 2 सूटकेस में मिले थे बच्चों के शव, मां गिरफ्तार

सियोल । दक्षिण कोरियाई पुलिस ने कहा है कि उन्होंने गुरुवार को दो बच्चों की मां मानी जाने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिनके अवशेष पिछले महीने न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में मिले थे। जानकारी के मुताबिक कोरियाई मूल की न्यू जोसेन्डर पर हत्या का आरोप है। कोरियाई राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने कहा कि वैश्विक पुलिस एजेंसी इंटरपोल द्वारा रेड नोटिस जारी किए जाने के बाद 40 साल की महिला को दक्षिण पूर्वी शहर उल्सान में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि महिला पर 2018 में ऑकलैंड में अपने 7 वर्षीय और 10 वर्षीय बच्चों की हत्या करने के बाद दक्षिण कोरिया भागने का संदेह था। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई अदालत इस बात की समीक्षा करेगी कि संदिग्ध को न्यूजीलैंड में प्रत्यर्पित किया जाए या नहीं। न्यूजीलैंड पुलिस ने ऑकलैंड में एक परिवार द्वारा स्टोरेज लॉकर में बच्चों के अवशेष पाए जाने के बाद हत्या की जांच शुरू की थी, जिसे उन्होंने ऑक्शन में खरीदा था। परिवार ने स्टोरेज लॉकर की सामग्री पर ऑनलाइन बोली लगाई थी। इन बोलियों में खरीदारों को नीलामी से पहले सामग्री के अंदर देखने की अनुमति नहीं होती है। ऐसे में यह बोली पूर्ण रूप से सामान के बाहरी रूप को देखकर ही लगाई जाती है। ऐसे ऑक्शन्स पर कई बड़े टीवी शो भी बन चुके हैं। जिस परिवार को शव मिले, उसका मौत से कोई संबंध नहीं था। पुलिस का मानना ??है कि बच्चों के शव करीब तीन से चार साल से सूटकेस में बंद थे। दोनों ही सूटकेस एक आकार के हैं। पुलिस के मुताबिक जिस परिवार ने स्टोरेज यूनिट से यह सामान खरीदा है, वह किसी भी तरह से घटना में शामिल नहीं है।

लंदन में महारानी एलिजाबेथ का ताबूत बकिंघम पैलेस से रॉयल होर्स आर्टलरी के जरिये वेस्टमिनिस्टर हाल ले जाया गया।

## आठ चीते भारत ले जाने के लिए नामीबिया पहुंचा विशेष बी747 विमान

**विंडहोक (नामीबिया)।** भारत के मध्य प्रदेश में कुनो राष्ट्रीय उद्यान के लिए यहां से आठ चीते ले जाने के वास्ते एक विशेष बी747 विमान नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंच गया है। भारत में 1950 के बाद से चीतों के विलुप्त होने के बाद उन्हें फिर से वहां भेजा जा रहा है। चीतों को ले जाने के लिए भेजे गए विमान में विशेष व्यवस्था की गयी है। विंडहोक में भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को ट्वीट किया, ''बाघ की भूमि भारत में सद्भावना राजदूतों को ले जाने के लिए वीरों की भूमि में एक विशेष विमान पहुंच गया है।'' चीतों के अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण की परियोजना के तौर पर एक मालवाहक विमान से आठ चीते 17 सितंबर को राजस्थान के जयपुर पहुंचेंगे। इनमें से पांच मादा और तीन नर हैं। इसके बाद जयपुर से वे हेलीकॉप्टर से मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में अपने नए बसेरे कुनो राष्ट्रीय उद्यान जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में इन चीतों को छोड़ेंगे। भारत में चीतों को ले जा रहे विमान में कुछ बदलाव किए गए हैं ताकी उसके मुख्य केबिन में पिंजरों को सुरक्षित रखा जाए लेकिन उड़ान के दौरान पशु चिकित्सक चीतों पर पूरी तरह नजर रख सकेंगे। विमान को एक चीते की तस्वीर के साथ पेंट किया गया है। यह विशाल विमान 16 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम है और इसलिए ईंधन भरवाने के लिए कहीं रुके बिना नामीबिया से सीधे भारत आ सकता है। भारतीय वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया था कि चीतों को हवाई यात्रा के दौरान खाली पेट रहना होगा।

## भारत से लौटने के बाद बोली बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना, कहा- 'मैं खाली हाथ नहीं लौटी हूं'

**ढाका। (एजेंसी)।**

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को कहा कि उनकी हालिया भारत यात्रा से बांग्लादेश को फायदा हुआ है और वह ÷खाली हाथ÷ नहीं लौटी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी यात्रा ने दो मित्र पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में एक नया क्षितिज खोल दिया है। हसीना की यात्रा के दौरान, भारत और बांग्लादेश ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक कुशियारा नदी के पानी के बंटवारे पर था, जिससे दक्षिणी असम और बांग्लादेश के सिलहट के इलाकों को लाभ होने की उम्मीद है।

हसीना ने पांच से आठ सितंबर के बीच भारत के चार दिवसीय दौरे के करीब हफ्ते भर बाद यहां संवाददाताओं को बताया, ÷उन्होंने (भारत) ने गंभीरता दिखाई और मैं खाली हाथ नहीं लौटी हूं।÷ उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि कोविड महामारी के कारण तीन साल के लंबे अंतराल के बाद मेरी यात्रा ने बांग्लादेश-भारत संबंधों में एक नया क्षितिज खोल दिया है।÷ उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के लोगों को उनकी भारत यात्रा के दौरान पहचाने गए सभी क्षेत्रों में

सहयोग और मौजूदा द्विपक्षीय समस्याओं को हल करने के लिए लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

उनकी टिप्पणी तब आई जब मुख्य विपक्ष बीएनपी के नेताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश को उनकी (हसीना की) भारत यात्रा से कुछ नहीं मिला, जबकि इसके महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, ÷हसीना भारत से समझौते में असमर्थ हैं÷। हसीना ने कुशियारा नदी को लेकर सहमति पत्र को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और हरित अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक व लोगों से लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्र में सहयोग पर भी समझौते किए हैं।

## 'तेज धमाका' और फिर धुंआ ही धुंआ, बाल-बाल बचे पुतिन, ऐसे हुआ जानलेवा हमला

**कीव (एजेंसी)।**

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हत्या के प्रयास में बाल-बाल बचे हैं। रिपोर्ट के अनुसार हमले में पुतिन बाल-बाल बच गए और जिसके बाद कई गिरफ्तारियां की गई हैं। हालांकि रूस में मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी गई है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हत्या के प्रयास कब किए गए। हालांकि इसके बाद कई गिरफ्तारियां भी हुई हैं। यूरोवीकली की रिपोर्ट के अनुसार पुतिन की कार के आगे के पहिये में जोरदार धमाका हुआ। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 69 वर्षीय पुतिन को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उनकी हत्या के प्रयास में सुरक्षाकर्मियों द्वारा कई गिरफ्तारियां की गई हैं।

यूरोवीकली के अनुसार पुतिन के निवास के रास्ते में, कुछ किलोमीटर दूरी पर पहली एस्कॉर्ट कार को एक एम्बुलेंस द्वारा ब्लॉक कर दिया गया और दूसरी एस्कॉर्ट कार बिना रुके अचानक बाधा के कारण इधर-उधर चली गई।'इसके बाद पुतिन की कार में, बाएं सामने के पहिये से तेज धमाके की आवाज आई और उसके बाद धुआं निकला। हालांकि, हमले के बावजूद, पुतिन सही बाहर निकाले गए और अपने आवास पर पहुंच गए।

गौरतलब है कि पिछले महीने ही एक कार बम विस्फोट में पुतिन के एक दोस्त की बेटी की मौत हो गई थी। पुतिन के युद्ध के मास्टरमाइंड अलेक्जेंडर डुगिन की बेची दरिया दुगिना की मृत्यु मौके पर ही हो गई जबकि उनके पिता विस्फोट में बाल बाल बचे।

## महाराजा के रूप में चार्ल्स का जलवायु परिवर्तन पर काम करते रहना स्वीकार्य होगा: अल्बानीस

**कैनबरा। (एजेंसी)।**

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस का कहना है कि अगर महाराजा चार्ल्स तृतीय अपनी नयी भूमिका में भी जलवायु परिवर्तन पर काम करने की वकालत जारी रखते हैं तो वह 'पूरी तरह स्वीकार्य है।' महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के लिए सिडनी से बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलियाई शिष्टमंडल की रवानगी से पहले प्रधानमंत्री अल्बानीस ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि नये महाराजा यह तय करेंगे कि वह ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की वकालत करना जारी रखेंगे या नहीं, जैसा कि वह युवराज रहते हुए कर रहे थे।

अल्बानीस ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कोर से कहा, ''यह

महत्वपूर्ण है कि राजशाही दलगत राजनीति से दूरी बनाए रखे। लेकिन, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे भी हैं, जिनपर मुझे लगता है कि अगर वह बोलना जारी रखते हैं तो यह पूरी तरह स्वीकार्य होगा।'' अल्बानीस की नयी मध्य-वामपंथी लेबर पार्टी सरकार ने कानून बनाकर इस दशक के अंत तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को 2005 के स्तर के मुकाबले 42 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य रखा है। पूर्ववर्ती कंजरवेटिव सरकार के तहत 2030 तक के लिए यह लक्ष्य 26 से 28 फीसदी रखा गया था।

## 'अब मित्र देश भी पाकिस्तान को भिखारी समझने लगे हैं', पीएम शहबाज शरीफ का दर्द

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की संकट में फंसी अर्थव्यवस्था की कमजोर तस्वीर पेश करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि मित्र राष्ट्र भी अब पाकिस्तान को ऐसे देश के रूप में देखने लगे हैं जो लगातार पैसे की भीख मांगता रहता है। स्थानीय सामाचार पत्र, 'डॉन न्यूज' ने शरीफ का हवाला देते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री ने बुधवार को वकीलों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि आज जब हम किसी मित्र देश में जाते हैं या उन्हें फोन करते हैं, तो वे सोचते हैं कि हम उनसे पैसे मांगने आये हैं।''

शरीफ ने कहा कि छोटी अर्थव्यवस्थाओं ने भी पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है और हम पिछले 75 साल से कटोरा लेकर भटक रहे हैं। शरीफ के अनुसार, पहले से ही देश की अर्थव्यवस्था एक 'चुनौतीपूर्ण स्थिति' का सामना कर रही थी... अब बाढ़ ने भी इसे और अधिक मुश्किलों में डाल दिया है। नकदी की कमी से

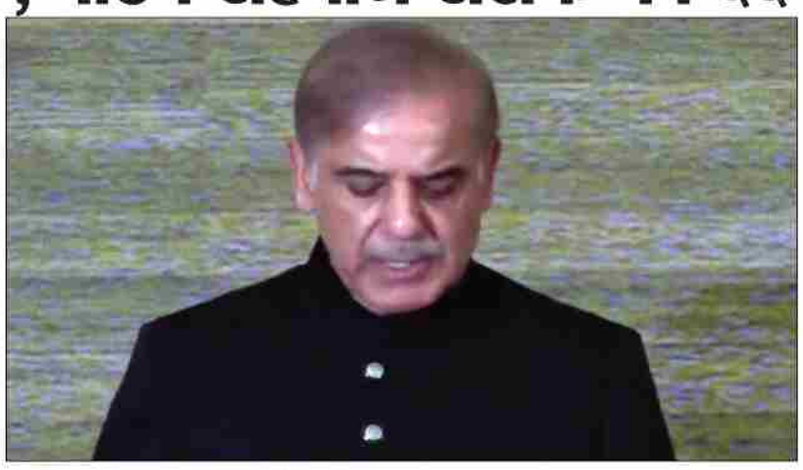

जूझ रहा यह देश पिछले 30 वर्षों की सबसे भीषण बाढ़ से भी जूझ रहा है। इस साल जून माह की शुरुआत से बाढ़ के कारण 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है और 3.3 करोड़ लोग इस आपदा से प्रभावित हैं। वहीं देश का एक-तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया। यहां हर सात में से एक व्यक्ति बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। बाढ़ से लगभग 78,000 वर्ग किलोमीटर (2.1 करोड़ एकड़) फसल पानी में डूब गई है और करीब 12 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान है।

## किसी भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता में शामिल नहीं होगा श्रीलंका: विक्रमसिंघे

**कोलंबो। (एजेंसी)।**

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि उनका देश हिंद महासागर में किसी भी ''बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता'' में शामिल नहीं होगा और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनका देश हंबनटोटा को लेकर ''दो पाटों के बीच में पीस रहा है।'' कुछ सप्ताह पहले चीन के एक उन्नत पोत के श्रीलंका के हंबनटोटा आने को लेकर भारत और चीन के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। उन्होंने भू-राजनीतिक मंच पर श्रीलंका की स्थिति पर कहा कि श्रीलंका निश्चित रूप से नहीं चाहता कि प्रशांत महासागर की समस्या हिंद महासागर में आए।

विक्रमसिंघे ने बुधवार को राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के स्नातक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''हम किसी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं होते और हम निश्चित रूप से नहीं चाहते कि प्रशांत महासागर की समस्याएं हिंद महासागर में आएं। हम नहीं चाहते कि यह संघर्ष का क्षेत्र और युद्ध का क्षेत्र हो। श्रीलंका किसी भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता में शामिल नहीं होगा।'' विक्रमसिंघे की यह टिप्पणी चीनी दूतावास और भारतीय उच्चायोग के बीच श्रीलंका के दक्षिणी हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जहाज युआन वांग 5 के आने को लेकर वाकयुद्ध के कुछ सप्ताह बाद आयी है।

विक्रमसिंघे ने कहा कि ''हिंद महासागर की भू-राजनीति ने दुर्भाग्य से श्रीलंका को हंबनटोटा को लेकर दो पाटों के बीच में पीस दिया है।'' विक्रमसिंघे ने कहा, ''यह कोई सैन्य बंदरगाह नहीं है। हालांकि हमारा बंदरगाह एक वाणिज्यिक बंदरगाह है, लेकिन यह हमारे रणनीतिक महत्व को दर्शाता है कि कई लोग ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचते हैं जो अनुचित हैं।'' बंदरगाह को लेकर विक्रमसिंघे की यह टिप्पणी हाल के सप्ताह में इस मुद्दे पर उनकी दूसरी सार्वजनिक टिप्पणी है। गत 30 अगस्त को, राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने सभी राजनीतिक दलों से एक सर्वदलीय सरकार में शामिल होने की अपील की थी ताकि द्वीपीय देश को सबसे खराब आर्थिक संकट से निकालने में मदद की जा सके।

विक्रमसिंघे ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ''हम अब ऋण सहायता पर निर्भर राष्ट्र नहीं रह सकते हैं। हमें अब मजबूत अर्थव्यवस्था वाले अन्य देशों द्वारा हस्तक्षेप के साधन के रूप में भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'' विक्रमसिंघे ने यह भी कहा कि श्रीलंका किसी भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता से बाहर रहेगा। उन्होंने कहा कि देश को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रतिद्वंद्विता हिंद महासागर में संघर्ष का कारण न बने। एक ऑनलाइन पोर्टल 'न्यूज फर्स्ट' ने विक्रमसिंघे के हवाले से कहा, ''यह एक ऐसी चीज है जिसे हम

बर्दाश्त नहीं कर सकते।''

श्रीलंका ने 16 से 22 अगस्त तक चीनी पोत को बंदरगाह पर रुकने की अनुमतिप्रदान की थी। भारत में इस बात की आशंका थी कि चीनी पोत के ट्रैकिंग सिस्टम श्रीलंकाई बंदरगाह के रास्ते में भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की जासूसी करने का प्रयास कर सकते हैं। भारत ने पिछले महीने चीन पर यह आरोप लगाने के लिए पलटवार किया कि वह श्रीलंका के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। भारत ने बीजिंग से दृढ़ता से कहा कि कोलंबो को अब किसी अन्य देश के एजेंडे की पूर्ति के लिए ''अवांछित दबाव या अनावश्यक विवाद नहीं'' बल्कि समर्थन की आवश्यकता है।

# अफरीदी के बाद शोएब अख्तर की भविष्यवाणी,

## बोले- टी20 वर्ल्ड कप के बाद कोहली ले सकते हैं सन्यास

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

एशिया कप में भले ही भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा हो। लेकिन विराट कोहली के बल्ले से खूब रन बना है। इसके बाद से एक बार फिर से भारतीय प्रशंसकों में जबरदस्त का क्रेज देखने को मिल रहा है। भारत को इस बात की भी उम्मीद है कि विश्व कप में भी विराट कोहली का अच्छा फॉर्म जारी रहेगा। दूसरी ओर पाकिस्तानी क्रिकेटर विराट कोहली को लेकर लगातार भविष्यवाणी करने में जुटे हुए हैं। पाकिस्तानी क्रिकेटर को इस बात की चिंता सताने लगी है कि विराट कोहली आकर संन्यास कब लेंगे। तभी तो वे दिन-रात विराट कोहली के संन्यास की बात कर रहे हैं। सबसे पहले तो विराट कोहली के संन्यास की बात पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने की थी। अब शोएब अख्तर भी इसमें सामने आ गए हैं। उन्होंने भी विराट कोहली के संन्यास को लेकर भविष्यवाणी कर दी है।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज और रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर शोएब अख्तर ने कहा कि टी20 विश्वकप के बाद विराट कोहली सन्यास ले सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बाकी फॉर्मेट में अपना करियर लंबा करने के लिए विराट यह कदम उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी उनकी जगह होता तो यही करता। अपने करियर को लंबा और बड़ा करने के लिए यह फैसला लेता। शोएब अख्तर के इस बयान के बाद से उन्हें लगातार ट्रॉल किया जा रहा है। इससे पहले शाहिद अफरीदी ने भी विराट कोहली से सही टाइम पर संन्यास लेने का आग्रह किया था। उन्होंने विराट कोहली से कहा था कि जब आप अपने चरम पर हो तभी आपको रिटायरमेंट की घोषणा कर देनी चाहिए।

विराट कोहली ने हाल में ही अपना 71 वां शतक जमाया था। वह पिछले 3 सालों से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे थे। उनके शतक का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा था। इस एक कप के टी-20 मुकाबले में विराट कोहली ने 1020 दिन बाद अपना शतक जमाया। यह विराट कोहली का पहला टी20 शतक था। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की भी बराबरी की थी। रिकी पोंटिंग ने खाते में 71 शतक हैं। शतकों के मामले में भारत के मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर सबसे टॉप पर हैं। उनके खाते में 100 शतक शामिल है। दूसरी ओर भारतीय फैंस अभी भी उम्मीद कर रहे हैं कि विराट कोहली सचिन के रिकॉर्ड के आसपास पहुंचेंगे। इसके साथ ही भारतीय फैंस विराट कोहली से इस बार के टी20 वर्ल्ड कप और अगले साल होने वाले एकदिवसीय वर्ल्ड कप में अच्छे रन की भी उम्मीद कर रहे हैं।

# टेनिस लीजेंड रोजर फेडरर लेंगे संन्यास, यह टूर्नामेंट होगा आखिरी

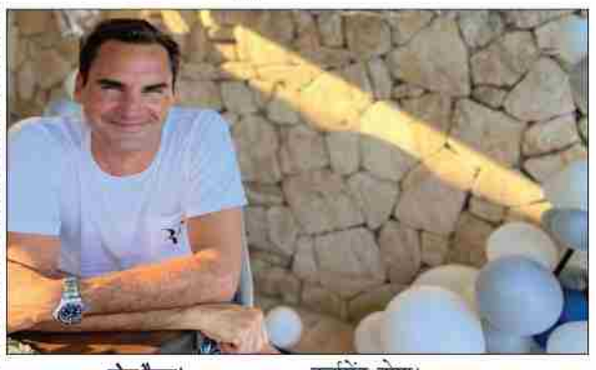

**खेल डैस्क।**

स्विस टेनिस लीजेंड रोजर फेडरर ने खुलासा किया है कि वह लेवर कप 2022 के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लेंगे। फैडरर ने गुरुवार को अपनी रिटायरमैंट की योजनाओं संबंधी सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट साझा किया। उन्होंने लिखा- वर्षों में टेनिस ने मुझे जो भी उपहार दिए हैं वह निस्संदेह वे लोग हैं जिनसे मैं रास्ते में मिला- मेरे दोस्त, मेरे प्रतियोगी और अधिकांश प्रशंसक जो खेल को इसकी विशेषता देते हैं। आज मैं आप सभी के साथ कुछ समाचार साझा करना चाहता हूं। लेवर कप का आगामी संस्करण मेरा अंतिम एटीपी टूर्नामेंट होगा।

फेडरर ने पिछले तीन वर्षों में प्रमुख टूर्नामेंटों में जगह बनाने के लिए संघर्ष किया है। अपने ट्रॉफी से भरे करियर में फेडरर ने 24 वर्षों में 1500 से अधिक मैच खेले हैं। मैं 41 साल का हूं। मैंने 24 साल में 1500 से ज्यादा मैच खेले हैं। टेनिस ने मेरे साथ पहले से कहीं अधिक उदारता से व्यवहार किया है, और अब मुझे यह पहचानना होगा कि मेरे प्रतिस्पर्धी करियर को समाप्त करने का समय कब है। अगले हफ्ते लंदन में लेवर कप मेरा अंतिम एटीपी इवेंट होगा। मैं भविष्य में और अधिक टेनिस खेलूंगा, निश्चित रूप से लेकिन ग्रैंड स्लैम या दौरे पर नहीं।

# भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वकप मैच के सभी टिकट बिकेः आईसीसी

**दुबई। (एजेंसी)।**

भारत और पाकिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के सभी टिकट बिक गए हैं। टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया में शुरू होगा जिसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए अभी तक पांच लाख से अधिक प्रशंसकों ने टिकट खरीदे हैं। इनमें भारत और पाकिस्तान का मैच भी शामिल है जिसके सभी टिकट बिक चुके हैं।

आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार,'' खड़े होकर मैच देखने के लिए अतिरिक्त टिकटों की व्यवस्था की गई जो बिक्री के लिए रखे जाने के बाद मिनटों में ही बिक गए।'' इसमें कहा गया है,'' प्रतियोगिता से पहले आधिकारिक बिक्री केंद्र शुरू किया जाएगा, जहां प्रशंसक अंकित मूल्य पर टिकटों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।'' आईसीसी ने कहा,'' टी20 विश्व कप में 16 अंतरराष्ट्रीय टीमों के मैच देखने के लिए 82 विभिन्न देशों के प्रशंसकों ने टिकट खरीदे हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2020 के बाद यह पहला अवसर होगा जबकि आईसीसी की किसी प्रतियोगिता में स्टेडियम खचाखच भरे होंगे। तब एमसीजी में खेले गए फाइनल मैच में 86,174 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे।'' क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा,'' इसके अलावा सिडनी में 27 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश तथा भारत और ग्रुप ए के उपविजेता के बीच में होने वाले मैचों के भी सभी टिकट बिक गए हैं।'' आईसीसी ने कहा,'' आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 22 अक्टूबर को सिडनी में,पाकिस्तान और ग्रुप ए के उपविजेता तथा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पर्थ में 30 अक्टूबर और पाकिस्तान एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन नवंबर को सिडनी में होने वाले सुपर 12 के मैचों के कुछ टिकट ही बचे हुए हैं।

# ऋतुराज गायकवाड़ का शतक, न्यूजीलैंड पर पहले ही दिन भारी पड़ी इंडिया-ए टीम

**बेंगलुरु (एजेंसी)।**

बेंगलुरु के मैदान पर न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेले जा रहे अन-ऑफिशियल टेस्ट में भारत ए ने ऋतुराज गायकवाड़ के शतक की बदौलत 293 रन बना लिए हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले ऋतुराज ने विकेट के चारों ओर शॉट लगाकर न्यूजीलैंड ए के गेंदबाजों की खूब परीक्षा ली। उन्होंने 127 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 108 रन बनाए। ऋतुराज को विकेटकीपर बल्लेबाज उपेंद्र यादव का भरपूर साथ मिला जिन्होंने 76 रन बनाए।

इससे पहले भारत ए टीम ने सधी हुई शुरूआत की थी। कप्तान प्रियांक पंचाल ने क्रीज पर जमने की कोशिश की लेकिन 20वें ओवर में वह मैथ्यू फिशर का शिकार हो गए। प्रियांक 54 गेंदों में मात्र 5 रन ही बना पाए। वहीं, अभिमन्यु ईश्वरान ने 83 गेंदों मे दो चौके और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाए। रजत पाटीदार के बल्ले से भी 52 गेंदों में 30 रन बनाए। बीसीसीआई सिलेक्टर्स की नजरें सरफराज खान पर थी लेकिन वह शून्य पर ही पवेलियन लौट गए।

भारत ए के लिए ऋतुराज और उपेंद्र यादव ने स्कोर आगे बढ़ाया। एक समय जब 111 रन पर 4 विकेट था तब दोनों ने क्रीज पर पांव जमाए और रन बनाए। उपेंद्र ने 134 गेंदों में नौ चौके और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाए। वहीं, ऋतुराज ने शतक लगाकर भारत की टेस्ट टीम में दावेदारी ठोकी।

न्यूजीलैंड ए की गेंदबाजी की बात करें तो मैथ्यू फिशर ने 52 रन देकर 4 विकेट लिए। जबकि जैकब डफी ने 56 रन देकर दो विकेट लिए। सीन सोलिया ने 47 रन देकर एक,रचिन रविंद्रा ने 68 रन देकर एक विकेट लिया। जो वॉल्कर को 65 रन देकर दो विकेट मिले।

# बारिश के कारण नहीं हो पाया इंडिया और वेस्टइंडीज लीजेंड्स का मुकाबला

**कानपुर (एजेंसी)।**

बारिश के कारण रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 में बाधा आई है। इसमें सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स और ब्रायन लारा की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज लीजेंड्स के बीच मुकाबला नहीं होने से प्रशंसकों को भी निराश हुई है। यह मैच यहां के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाने वाला था पर मैदान गीला होने के कारण उसे रद्द करना पड़ा। सीरीज का छठा मुकाबला रद्द होने के कारण दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिला है।

मैच से एक दिन पहले यहां जमकर बारिश हुई। ऐसे में ग्रीन पार्क के मैदान में काफी पानी भर गया। वहीं प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि उन्हें 15 साल बाद फिर सचिन और लारा का मुकाबला देखने को मिलेगा पर उन्हें निराश मिली है। अब अंक तालिका की बात करें तो इंडिया लीजेंड्स टीम के दो मैचों से तीन अंक हैं और वह आठ टीमों की तालिका में दूसरे नंबर पर है जबकि वेस्टइंडीज लीजेंड्स टीम के भी 2 मैचों में तीन अंक हैं हालांकि वह नेट रनरेट के आधार पर इंडिया लीजेंड्स से पीछे तीसरे नंबर पर है।

# एमएमए में मानसिक मजबूती भी शारीरिक फिटनेस जितनी अहम: रितु फोगाट

**नयी दिल्ली।** भारत की पहलवान से 'मार्शल आर्ट फाइटर' बनीं रितु फोगाट को लगता है कि 'मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स' (एमएमए) में मानसिक मजबूती भी शारीरिक फिटनेस जितनी ही अहम है। यह भारतीय 29 सितंबर को सिंगापुर में 'वन 161' से सर्कल में वापसी करेंगी जिसमें वह घरेलू प्रबल दावेदार और पूर्व 'वन' महिला स्ट्रावेट विश्व खिताब चैलेंजर टिफनी टियो से भिड़ेंगी। फोगाट का जीत का रिकॉर्ड 7-2 का है जो शानदार है। उन्होंने कहा, ''जीतने के लिये मैं अपनी योजना पर डटे रहने की कोशिश करती हूं जो बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैचों के दौरान शारीरिक रूप से मजबूत होने के बजाय मानसिक रूप से मजबूत होना ज्यादा महत्वपूर्ण है।'' अठाईस साल की यह खिलाड़ी पिछली बार बीते साल दिसंबर में 'वन वुमैन्स एटमवेट' विश्व ग्रां प्री के फाइनल में खेली थीं जिसमें वह हार गयी थीं। उन्होंने कहा, ''पिछली हार से मैं मानसिक रूप से ज्यादा प्रभावित नहीं हुई थी। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है।

# हॉकी खिलाड़ी नमिता टोप्पो ने संन्यास की घोषणा की

**नई दिल्ली।** भारत के लिए 150 से अधिक मैच खेल चुकी अनुभवी हॉकी खिलाड़ी नमिता टोप्पो ने गुरुवार को खेल को अलविदा कह दिया। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के रहने वाली 27 साल की नमिता ने 2012 में राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया था। वह 2014 और 2018 एशियाई खेलों में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य थी। नमिता ने हॉकी इंडिया से जारी बयान में कहा, 'पिछले 10 साल निश्चित रूप से मेरे जीवन लिए सबसे अच्छा समय रहा मेरा सपना था कि मैं बड़े टूर्नामेंटों में देश का प्रतिनिधित्व करूं और अपने सपने के साकार होने की मुझे खुशी है।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैंने खेल में एक बड़ा प्रभाव डाला है। मैं पिछले एक दशक में भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रगति को देखकर बहुत रोमांचित हूं। जीवन में नये क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ मैं टीम का समर्थन करते रहूंगी।' राउरकेला के पानपोश खेल हॉस्टल से हॉकी का कौशल सीखने वाली नमिता ने 2007 में राज्य टीम में जगह बनाई थी। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2011 में भारत की अंडर-18 टीम के लिए चुना गया। वह इसी साल बैंकॉक में एशिया कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थी। नमिता को 2012 में डबलिन में 'एफआईएच चैंपियंस चैलेंज एक' में सीनियर राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए पहली बार चुना गया था। वह मोंचेनग्लादबाक (जर्मनी) में 2013 एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा थी।

# टी20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, बाबर के हाथों में टीम की कमान, शाहीन अफरीदी की वापसी

**कानपुर (एजेंसी)।**

टी20 विश्वकप के लिए सभी टीमें लगातार अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इसी कड़ी में आज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 विश्वकप के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया। पाकिस्तान टीम की कमान एक बार फिर से बाबर आजम के हाथों में है। यानी कि बाबर आजम ही पाकिस्तान टीम के कप्तान होंगे। सबसे खास बात यह है कि एक बार फिर से पाकिस्तान टीम में शाहीन शाह अफरीदी की वापसी हो गई है। एशिया कप में वह चोट की वजह से नहीं खेल पाए थे। हालांकि, उनके वापसी के बाद से पाकिस्तान के गेंदबाज अटैक और भी मजबूत हो सकती है। शादाब खान उपकप्तान होंगे। वह टीम के लिए बैटिंग और बॉलिंग दोनों करते हैं।

पाकिस्तान की टीम में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में कप्तान बाबर आजम के अलावा आसिफ खान, हैदर अली, खुशिदल शाह और शान मसूद हैं। वहीं, ऑलराउंडर की भूमिका में शादाब खान के अलावा मोहम्मद नवाज होंगे। टीम में एक ही विशेषज्ञ विकेटकीपर को रखा गया है। मोहम्मद रिजवान हमेशा की तरह इस बार भी विकेटकीपर और ओपनर की भूमिका में टीम में रहेंगे। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद वसीम, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी और उस्मान कादिर के हाथों में होगी। पाकिस्तान की ओर से 14 सदस्य वाली टीम का ऐलान किया गया है। पाकिस्तान को अपना पहला मुकाबला भारत के खिलाफ 23 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेलना है। मोहम्मद वसीम और शाहीन शाह अफरीदी के पाकिस्तान टीम में वापसी के बाद गेंदबाजी को तो धार मिलेगी ही मिलेगी, साथ ही साथ टीम में सीनियर खिलाड़ी के रूप में वह मनोबल भी बढाएंगे। पाकिस्तान को इस बात की उम्मीद है कि उनकी टीम टी 20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करेगी। 2021 में भी पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास के साथ खेला था। इस बार भी पाकिस्तान बोर्ड को अपने खिलाड़ियों से यही उम्मीद है। हाल में ही पाकिस्तान ने एशिया कप खेला था जहां उसका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। भारत से पहला मुकाबला हारने के बाद पाकिस्तान ने जबरदस्त वापसी की थी। भारत को टॉप 4 के मुकाबले में हराया था। हालांकि, पाकिस्तान को फाइनल मुकाबले में श्रीलंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

# हरमनप्रीत ने बताया , इस कारण मिली दूसरे टी20 में जीत

**लंदन ।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मिली जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह आत्मविश्वास के कारण मिली है। भारतीय टीम ने दूसरे टी20 को आठ विकेट से जीतकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से बराबरी की है। अब सभी की नजरें तीसरे मैच पर रहेंगी। हरनमप्रीत ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, हमने अच्छा खेल दिखाया। हर कोई जीत के लिए प्रयास कर रहा था। हमारे पास सभी बल्लेबाजों के लिए योजनाएं हैं पर उन्हें अमल में लाना कठिन होता है। ''उन्होंने कहा, ''अब हमारी टीम का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा हुआ है और इससे गेंदबाजों को सहायता मिल रही है। राधा ने पिछले मैच में चोटिल होने के बाद भी जबरदस्त क्षेत्ररक्षण किया। वहीं सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने नाबाद अर्धशतक लगाया।

स्मृति ने कहा, ''हमने मजबूत वापसी की जो हम चाहते थे। मैं बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वयं पर जोर डाल रही थी और खुश हूं कि मैं जीत में योगदान देने में सफल रही। राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इंग्लैंड में बल्लेबाजी करने के लिए अच्छा मौसम था, मुझे लगता है कि मैंने लय हासिल कर ली है।'' उन्होंने कहा, ''टी20 क्रिकेट में आप टीम को अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करते हैं। टीम में योगदान देने पर खुशी होती है।'' स्मृति ने अपनी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा की भी प्रशंसा की जिनके साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 55 रन जोड़े जिससे भारत के लिए लक्ष्य हासिल करना आसान हो गया। स्मृति के अनुसार शैफाली को पता है कि किये निशाना बनाना है।

# उथप्पा ने क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय टीम के बल्लेबाज रहे रॉबिन उथप्पा ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उथप्पा एक ऐसे बल्लेबाज के तौर पर याद किये जाएंगे जो किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी में माहिर था। इसके अलावा वह जरुरत पड़ने पर विकेटकीपर की जिम्मेदारी भी उठाने में सक्षम थे। पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक बार कहा था, रॉबिन हमारे ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जो किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने की क्षमता रखते हैं। वह पारी शुरु कर सकते हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाज के अलावा वह निचले -मध्य क्रम पर भी खेल सकते हैं। जब टीम में ऐसा खिलाड़ी होता है तो तय है कि विकल्प भी बढ़ जाते हैं। वह हमारी टीम के बेहद अहम खिलाड़ी हैं।'

गौरतलब है कि साल 2008 के एक टूर्नामेंट में रॉबिन उथप्पा ने 8 बार बल्लेबाजी की। इसमें से तीन बार पारी शुरु की। एक बार तीसरे नंबर पर उतरे और 4 बार 7 नंबर पर बल्लेबाजी की। अहम बात यह रही कि उन्हें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के रहने के बाद भी पारी शुरु करने को भेजा गया था।सीरीज के दूसरे फाइनल में इस बल्लेबाज ने सचिन के साथ पारी शुरु करते हुए 30 रन बनाए थे जबकि इसी मैच में गंभीर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। वह उन बल्लेबाजों में से एक रह हैं, जो तेज गेंदबाजों को चहलकदमी करते हुए आगे आकर खेलते थे। ऐसा करने के लिए ना सिर्फ बल्लेबाज को तकनीकी रूप से पारंगत होना होता है, बल्कि 140-150 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आ रही गेंद के और करीब जाकर खेलने का खतरा उठाना पड़ता है। उथप्पा का अंतरराष्ट्रीय करियर उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने 46 एकदिवसीय मैचों में 25.94 की औसत से 934 रन बनाए। इसी तरह 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24.90 की औसत से 249 रन बनाये हैं। वहीं उन्होंने 142 फर्स्टक्लास मैच में 40.71 की औसत और 22 शतक की मदद से 9446 रन बनाए हैं। लिस्ट ए और घरेलू टी20 मैचों में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इस क्रिकेटर ने 203 लिस्ट ए मैच में 35.31 की औसत और 16 शतक की मदद से 6914 रन बनाए हैं।

# ऑस्ट्रेलिया की उप कप्तान राचेल हेन्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लियां

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज और उपकप्तान राचेल हेन्स ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, जिससे उनके शानदार करियर का अंत हो गया। बाएं हाथ की बल्लेबाज 35 वर्षीय हेन्स ने 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने देश की तरफ से छह टेस्ट, 77 एकदिवसीय और 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। हेन्स ने बयान में कहा,'' मेरे करियर के दौरान मेरी साथी रही सभी खिलाड़ियों, आपकी वजह से ही मैं इतने लंबे समय तक खेल पाई। आप प्रत्येक दिन मुझे प्रेरित करती रही। मैंने आपसे मैदान के अंदर और बाहर काफी कुछ सीखा।''

# भारतीय टीम ने नेपाल को हराकर सैफ अंडर-17 फुटबॉल खिताब बरकरार रखा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत ने कोलंबो में खेले गए सैफ अंडर-17 फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में नेपाल को 4-0 से हराकर खिताब जीता है। भारतीय टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए यह खिताब अपने पास बनाये रखा। इम मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से बॉबी सिंह, कोरौ सिंह, कप्तान वनलालपेका गुइटे और अमन ने एक-एक गोल दागा। वहीं नेपाल की टीम एक भी गोल नहीं कर पायी। लीग चरण में नेपाल से 3-1 से हारने के बाद भारतीय टीम ने फाइनल में अच्छी वापसी करते हुए नेपाल को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए हमले शुरु कर दिये। भारत के बॉबी ने 18वें मिनट में हैडर से गोल दागकर टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद 30 वें मिनट में कोरौ सिंह ने भी एक गोल कर दिया।

दो गोल से पिछड़ने के बाद नेपाल टीम ने वापसी के कई प्रयास किये पर वह सफल नहीं हो पायी। 39वें मिनट में ही उसके कप्तान प्रशांत लक्षम ने हताशा में डैनी लैशराम पर कोहनी मार दी जिसके कारण उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम के बाद 63 वें मिनट में गुइटे ने भारत की ओर से तीसरा गोल किया। वहीं अमन ने इंजरी टाइम में चौथा गोल करके भारतीय टीम की जीत पक्की कर दी। भारतीय कप्तान गुइटे को टूर्नामेंट के सबसे उपयोगी खिलाड़ी जबकि साहिल को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार मिला। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच विबियानो फर्नांडीस ने अपने खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी।'

# नीतीश कुमार को बताया है कि शराबबंदी फेल है, वापस लिया जाए : प्रशांत किशोर

पटना, 15 सितम्बर (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद कयास लगाए जाने लगे कि चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर फिर से जद (यू) के साथ आ सकते हैं। हालांकि इस मुलाकात के दो दिन बाद, पीके ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वह 2 अक्टूबर से बिहार में अपने 'जन सुराज आंदोलन' के तहत पदयात्रा के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशांत किशोर जद (यू) के पूर्व पदाधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के साथ उनकी मुलाकात को 'सामाजिक-राजनीतिक शिष्टाचार मुलाकात के रूप में देखा जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि बिहार सीएम के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने राज्य में शराबबंदी पर अपना विचार रखा क्योंकि 'यह स्पष्ट रूप से जमीन पर प्रभावी नहीं है।'

मीडिया से बात करते हुए पीके ने कहा, 'नीतीश कुमार बिहार के सीएम हैं और मैं मई से बिहार में सक्रिय हूं। काफी समय से उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहता था लेकिन समय की कमी के कारण यह बैठक नहीं हो सकी।' बिहार में जन सुराज अभियान के तहत प्रशांत किशोर 2 अक्टूबर 2022 से पदयात्रा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं जन सुराज के विजन के साथ मजबूती से खड़ा हूं और 2 अक्टूबर से प्रस्तावित पदयात्रा के माध्यम से पूरे बिहार की यात्रा करूंगा। मैं लगभग एक साल तक बिहार के विभिन्न गांवों और ब्लॉकों में जाऊंगा और लोगों से मिलूंगा और समाज से सही लोगों को आगे लाऊंगा जो बिहार की बेहतरी के लिए काम कर सके।'

प्रशांत किशोर ने नीतीश से मुलाकात के बाद राज्य में शराबबंदी की विफलता पर सरकार की आलोचना की और 'समीक्षा' का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'प्रशासन का एक बड़ा हिस्सा मुख्य रूप से शराबबंदी पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, इसलिए इससे सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इस शराबबंदी नीति को लागू करने के बाद पिछले कुछ वर्षों में बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है।' उन्होंने कहा, 'शराबबंदी पूरी तरह से फेल रही है। यह बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के कारण केवल कागजों पर ही दिखती है। महिलाओं के नाम पर यह कदम उठाया गया था लेकिन वे सबसे ज्यादा पीड़ित हैं क्योंकि उन्हें अब खुद काम करना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शराब के चलते महिलाओं के पति जेल की सलाखों के पीछे चले जाते हैं।'

पीके ने आगे कहा, 'पिछले कुछ महीनों के अपने अनुभवों को साझा करते हुए मैंने सीएम को यह सब बताया। मैंने कहा कि इसे 'अहम' का मुद्दा बनाए बिना शराबबंदी पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।' बेगूसराय की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं राज्य की कानून व्यवस्था की खराब स्थिति के बारे में लोगों की मौजूदा आशंकाओं को और बढ़ाती हैं।

किशोर ने कहा, 'लेकिन, यह रातोंरात नहीं हुआ है। जब भाजपा सत्ता में थी तब भी कानून-व्यवस्था बिगड़ रही थी, हालांकि उन्हें इस मामले को अभी उठाना सुविधाजनक लग रहा था।'

# 371एफ की रक्षा के लिए आईएलपी एकमात्र समाधान : भाइचुंग

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 15 सितम्बर । भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और हाम्रो सिक्किम पार्टी के नेता भाइचुंग भूटिया ने जोर देकर कहा है कि इनर लाइन परमिट (आईएलपी) सिक्किम की रक्षा के साथ-साथ अनुच्छेद 371एफ की रक्षा करने का एकमात्र समाधान है। भाइचुंग आज गुरुवार को सिक्किम सुरक्षा समिति द्वारा गंगटोक जिला प्रशासनिक केंद्र में आयोजित अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में हिस्सा ले रहे थे।

बिहार के दो निवासियों द्वारा नई दिल्ली के जंतर मंतर पर हाल के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाइचुंग ने कहा कि बिहारी प्रदर्शनकारी वे लोग हैं जो अनुच्छेद 371 एफ को समाप्त कराना चाहते हैं। केवल एक चीज जो अनुच्छेद 371एफ की रक्षा कर सकती है, वह है इनर लाइन परमिट। यह हर चीज का समाधान है। मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश को आईएलपी पहले ही दी जा चुकी है। पूर्वोत्तर के चार राज्यों को पहले ही आईएलपी मिल चुका है। सिक्किम में आईएलपी क्यों लागू नहीं किया जा सकता? गृह मंत्री अमित शाह ने डेढ़ साल पहले ही चुनाव से ठीक पहले मणिपुर को इसका तोहफा दे दिया था। हम भी वही उपहार चाहते हैं।

राज्य की सुरक्षा पर, जो पश्चिम में नेपाल, पूर्व में भूटान और उत्तर में चीन से घिरी हुई है, हाम्रो सिक्किम पार्टी के नेता ने कहा, सिक्किम की सुरक्षा केवल राज्य के लिए नहीं बल्कि भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत के लिए सिक्किम की सुरक्षा बेहद जरूरी है। कुछ लोग सिक्किम को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। बाहरी और आंतरिक राजनीतिक ताकतें सिक्किम को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। हम जानते हैं कि सिक्किम के अंदर भी ऐसे लोग हैं जो इस एकता को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। सिक्किम की सुरक्षा के लिए हमें केंद्र सरकार से आईएलपी की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य में वोट के प्रतिशत में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि बंगाल और बिहार में 2014-19 के बीच केवल 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। सिक्किम की प्रजनन दर आज देश में सबसे कम है। जबकि बिहार में सबसे अधिक है, बंगाल में सिक्किम की

तुलना में 45 प्रतिशत अधिक प्रजनन दर है। इससे साफ पता चलता है कि राज्य में फर्जी वोटर हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि नौकरियों और बेरोजगारी के मामले में जनसांख्यिकी बदल रही है और इसका एकमात्र समाधान आईएलपी है।

राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए भाइचुंग ने कहा कि राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। राज्य सरकार कठपुतली सरकार है।

उन्होंने कहा, जब सरकार केवल पद, धन और कुर्सी के चक्कर में रहती है, तो मुझे नहीं लगता कि वह सिक्किम के लोगों की रक्षा कर सकती है। हम सिक्किम पुलिस से सुन रहे हैं कि वे बिहार के दो निवासियों पर जांच कर रहे हैं। जांच करने में कितना समय लगता है? दो बिहारी निवासियों ने वीडियो के माध्यम से हमारी बहनों और माताओं को नीचा दिखाया है। लेकिन अब तक सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। ऐसी सरकार का होना बहुत खतरनाक है जो कठपुतली हो, जो निर्णय न ले सके और जो सिक्किम के लोगों की रक्षा न कर सके।

लोगों के बीच सांप्रदायिक विभाजन की संभावना पर उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते में सिक्किम में लोगों ने अनुकरणीय एकता दिखाई है। मुझे लगता है कि हम सभी को एकजुट होना होगा, हमें सिक्किम की रक्षा करने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सभी आईएलपी के लिए लड़ें। 16 अक्टूबर को हम लोगों को आईएलपी के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए एक जन संसद की मेजबानी करेंगे।

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि लोग यहां आएं और काम करें और हम यह भी चाहते हैं कि पर्यटक सिक्किम जाएं। लेकिन उनके पास इनर लाइन परमिट होना जरूरी है। हमारे पास केवल आईएलपी के माध्यम से राज्य में आने वालों का डेटा मिल सकता है।

# हेमंत सरकार की नई डोमिसाइल पॉलिसी पर सत्ताधारी कांग्रेस बंटी

रांची, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। झारखंड के हेमंत सोरेन कैबिनेट में पारित डोमिसाइल पॉलिसी (स्थानीय नीति) पर सत्ताधारी गठबंधन कांग्रेस के नेता बंट गयी है। पार्टी के कई कई नेताओं ने पॉलिसी पर कड़ा एतराज जताया है।

चाईबासा की कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और झरिया की कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह इस पॉलिसी के खिलाफ सबसे ज्यादा मुखर तौर पर सामने आये हैं। हालांकि दूसरी तरफ झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बादल पत्रलेख ने इस पॉलिसी का समर्थन किया है और इसे राज्यहित एवं जनहित का फैसला बताया है। गौरतलब है कि कैबिनेट ने बुधवार को जिस डोमिसाइल पॉलिसी को मंजूरी दी है, उसके अनुसार झारखंड में झारखंडी कहलाने के लिए अब वर्ष 1932 में हुए भूमि सर्वे के कागजात की जरूरत होगी। इस कागजात को खतियान कहते हैं। जो लोग इस कागजात को पेश करते हुए साबित कर पायेंगे कि इसमें उनके पूर्वजों के नाम हैं, उन्हें ही झारखंडी माना जायेगा। झारखंड का मूल निवासी यानी डोमिसाइल का प्रमाण पत्र इसी कागजात के आधार पर जारी किया जायेगा।

कांग्रेस की सांसद गीता कोड़ा और पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने कहा है कि 1932 के खतियान के आधार पर डोमिसाइल पॉलिसी को मंजूरी मिली तो झारखंड के कोल्हान प्रमंडल के तीन जिलों के लोगों की पहचान ही नष्ट हो जायेगी। पूरे कोल्हान में 1932 में जमीन का सर्वे हुआ ही नहीं था। फिर इसे कैसे स्थानीयता का आधार बनाया जा सकता है ? गीता कोड़ा ने कहा है कि इस निर्णय से झारखण्ड के कोल्हान क्षेत्र की आम जनता स्थानीय अर्थात झारखंडी होने से वंचित रह जायेगी। उन्हें अपनी ही जन्मस्थली पर स्थानीय का दर्जा नहीं मिल सकेगा, बल्कि इस क्षेत्र की जनता प्रवासी बनकर रह जायेगी। कोल्हान में सर्वे सेटलमेंट 1964, 65 और 70 में किया गया था. ऐसी परिस्थिति में 1932 के खतियान को स्थानीयता का आधार बनाना किसी भी ऑष्टिकोण से उचित नहीं है। ऐसे में सरकार तत्काल इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे। झारखण्ड राज्य के अंतिम सर्वे सेटलमेंट को ही स्थानीयता का आधार बनाया जाए।

पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता मधु कोड़ा ने कहा है कि सरकार जमीन के अंतिम सर्वे सेटलमेंट को डोमिसाइल का आधार बनाये। बुधवार को कैबिनेट में घोषित पॉलिसी में बदलाव करे, अन्यथा पूरे कोल्हान में जोरदार आंदोलन होगा। उन्होंने कहा कि संशोधन न हुआ तो कोल्हान जल उठेगा।

इसी तरह झरिया की कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहा है झारखंड का स्थानीय सिर्फ वही नहीं है, जिसके पास 1932 का खतियान है। जो यहां रह रहा है, वह भी स्थानीय है। उन्होंने सरकार के इस फैसले को सिर्फ पॉलिटिकल मूव करार दिया है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति से निकलकर ऐसी नीति बनानी चाहिए तो सबके लिए मान्य हो। यह फैसला एक तरह से मौलिक अधिकारों का हनन भी है। यह छोड़िए, झारखंड के साथ ही छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी अलग हुआ। आज दोनों राज्य झारखंड से बेहतर स्थिति में हैं। 1932 का खतियान लागू से एक बार फिर से झारखंड 20 वर्ष पीछे चला जाएगा। बहुत से लोगों के पास तो सर्वे और खतियान की कॉपी भी नहीं होगी। खतिहान के बहस को छोड़कर झारखंड के विकास के बारे में सोचना चाहिए।

इधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीयता तय अपना वादा पूरा किया है। अब सरकार को यह देखना होगा कि 1932 के खतियान के आधार पर यहां के लोगों को लाभ कैसे मिले? मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि सरकार ने झारखंडी जनता को उसका हक दिया है। 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय और नियोजन नीति पुरानी मांग थी। सरकार ने अपना वादा पूरा किया है।

# कांग्रेस की वजह से दो बार पीएम बन गए मोदी, राहुल को अमेठी हराने मैं नहीं गया था: ओवैसी

झुंझुनूं, 15 सितम्बर (एजेन्सी)। एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। गुरुवार को वह राजस्थान के झुंझुनूं पहुंचे और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। ओवैसी झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ कस्बे के बकरा मंडी इलाके में बुधवार रात आमसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस समाज के पास सियासी ताकत होगी उसी समाज के साथ इंसाफ होगा। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के कारण मोदी दो बार देश के पीएम नहीं बने बल्कि कांग्रेस के कारण वह दो बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उनके प्रदेश के दौरे पर कांग्रेस इतना क्यों डरती है।

उन्होंने कहा कि करौली में दंगा हुआ लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं गए। प्रदेश में महंगाई सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि वह बता देना चाहते हैं कि भाजपा यदि आगे बढ़ रही है तो वो कांग्रेस के सहयोग से, इसलिए हमें तीसरी ताकत को पहचानना होगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी सर्कस का मंजर पेश कर रही है। मुख्यमंत्री का एक सलाहकार एवं विधायक कहता है कि राजस्थान में सिर्फ दो नारे लग सकते हैं। एक राजीव गांधी का एवं दूसरा अशोक गहलोत का। प्रदेश में गहलोत मुर्दाबाद बोलना गुनाह होगा तो मै बोलता हूं, अशोक गहलोत मुर्दाबाद। जब खड़े होकर मोदी मुर्दाबाद बोल सकते है तो गहलोत मुर्दाबाद भी बोल सकते हैं।

ओवैसी ने कहा कि राजस्थान भाजपा में भी अंदरुनी खींचतान चल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा एवं कांग्रेस के बीच कबड्डी का मैच चलता है। पांच साल तुम, पांच साल हम। उन्होंने कहा कि जनता साथ देगी तो इनकी नूरा-कुश्ती को तोड़ेंगे एवं प्रदेश में तीसरी ताकत बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा कि हाल में गोवा में आठ कांग्रेसी विधायक भाजपा में गए हैं। गत दिनों मध्यप्रदेश में हुआ। यह ओवैसी तो नहीं कर रहा। राहुल गांधी खुद चुनाव हार गए अमेठी में। वहां पर भी ओवैसी का उम्मीदवार तो नहीं था। लेकिन सिर्फ यह हवा उड़ाई जाती है कि ओवैसी वोट काटने आया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का सबसे महंगा राज्य है क्योंकि यहां की महंगाई सबसे ज्यादा है।

# सौरचालित विद्युत आपूर्ति परिसेवा का उद्घाटन

**अनुगामिनी नि.सं.**

योक्सम, 15 सितम्बर । योक्सम-डुब्दी ग्राम पंचायत कार्यालय में आज सौरचालित विद्युत आपूर्ति परिसेवा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि योक्सम एसडीएम, बीडीओ, योक्सम पीएचसी एमओआईसी, पंचायत सदस्य, केसीसी प्रतिनिधिगण एवं यूएनडीपी इंडिया के सदस्य मौजूद रहे। यूएनडीपी इंडिया के सहयोग से योक्सम-डुब्दी ग्राम पंचायत एवं केसीसी के सहयोग से यह पहल की गयी है।

बताया गया है कि इस सौरचालित ऊर्जा परिसेवा से न सिर्फ युक्साम डुब्दी पंचायत कार्यालय बल्कि निकट ही ग्राम पंचायत, केसीसी तथा जारी ग्रीन हिमालया प्रोजेक्ट द्वारा स्थापित

हस्तनिर्मित पेपर यूनिट को भी अबाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यहां मुख्य अतिथि योक्सम एसडीएम ने इस पहल की प्रशंसा की।

वहीं इस अवसर पर ग्रीन रिकवरी प्रोजेक्ट के अंतर्गत यूएनडीपी इंडिया टीम सदस्यों द्वारा केसीसी तथा वन व पर्यावरण विभाग के केएनपी डिवीजन को दो हाइपरबेरिक ऑक्सीजन चैम्बर या गैमो बैग प्रदान किये गये। इन गैमो बैगों के द्वारा केएनपी के ऊंचाई वाले स्थानों पर राहत व बचाव कार्यों में काफी सुविधा होगी।

कार्यक्रम में केसीसी अध्यक्ष तथा केएनपी डिवीजन के प्रतिनिधियों ने यूएनडीपी इंडिया के सहयोग हेतु आभार जताया।

# स्वच्छता सेवा अभियान शुरु

**अनुगामिनी का.सं.**

गेजिंग, 15 सितम्बर । केंद्र सरकार के निर्देशानुसार चोंगरांग प्रखंड के ताशीडिंग जीपीयू में आज से स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरूआत हुई। 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर जागरुकता, स्वचछता, पौधरोपण, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, ई-कचरा प्रबंधन एवं अन्य मुद्दों को लेकर गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।

17 दिवसीय इस अभियान के पहले दिन आज ताशीडिंग-4 पंचायत अध्यक्ष जीबी बिस्ट, चोंगरांग बीडीओ गराप दोर्जी भूटिया, सहायक अभियंता सुमनिमा खाती, वीएए चम्पा छिरिंग भूटिया, पीआई बीएस सुब्बा के अलावा

पंचायत सदस्यग, बीएसी कर्मचारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत अध्यक्ष ने ग्रामीण स्तर पर अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं चोंगरांग बीडीओ ने भी अभियान के दिशा-निर्देशों तथा इसके महत्व के बारे में बोलते हुए इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उठाये गये कदमों का जिक्र किया। वहीं इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष द्वारा जीपीयू क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक का चलन बंद करने और गांव का साफ-सुथरा रखने हेतु शपथ दिलायी।

वहीं इसके बाद इलाके में एक वृहद् स्वच्छता अभियान भी चलाया गया जिसके अंतर्गत पीएचएससी तथा ताशीडिंग बाजार में साफ-सफाई की गयी।

## केंद्रीय मंत्री ने एनएच10 की खराब स्थिति पर जताया क्षोभ

# देश में किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति इतनी बदतर नहीं : रामेश्वर तेली

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 15 सितम्बर । केंद्रीय श्रम व रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने सिक्किम की जीवन रेखा एनएच-10 की बदहाल स्थिति पर क्षोभ व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से पूर्व सिक्किम के रंगपो तक एनएच-10 की खराब स्थिति पर यह असंतोष व्यक्त किया। सिक्किम की दो दिवसीय दौरे पर आये केंद्रीय राज्य मंत्री सड़क मार्ग से ही गंगटोक पहुंचे थे।

बीते मंगलवार को सिक्किम के प्रवेश द्वार रंगपो पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री तेली ने कहा, मैंने देश में अन्य कहीं भी राष्ट्रीय राजमार्ग की इतनी बुरी दशा नहीं देखी है। मैं सिक्किमवासियों को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि नई दिल्ली लौटने के बाद मैं एनएच-10 की बदहाल स्थिति पर केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी से बात करूंगा। वहीं केंद्रीय मंत्री ने विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों वाले सिक्किम के लिए एनएच-10 के दुरूस्त होने को काफी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, एनएच की ऐसी बदहाल स्थिति से राज्य के पर्यटन क्षेत्र पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से इस बारे में बात करने की भी जानकारी दी।

गौरतलब है कि राज्य के श्रम मंत्री लोकनाथ शर्मा ने केंद्रीय राज्य मंत्री को एनएच-10 की बदहाल स्थिति के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सिलीगुड़ी से रंगपो तक एनएच-10 की स्थिति से पहले की केंद्र सरकार को अवगत करा दिया है। बारिश के दिनों में हर वर्ष ही राज्य वासियों को यह समस्या झेलनी पड़ती है। भूस्खलन एवं भारी ट्रैफिक के कारण गंगटोक से सिलीगुड़ी जाने में 7 घंटों का समय लग जाता है।

वहीं सिक्कम में पाकिम हवाई अड्डे के चालू होने के बावजूद राज्य में आने वाले अधिकांश पर्यटक बागडोगरा हवाई अड्डे पर ही उतरना पसंद करते हैं।

इसके अलावा मंत्री शर्मा ने केंद्रीय राज्य मंत्री तेली से कहा कि बदहाल एनएच-10 के कारण राज्य के लोगों को एनजेपी से ट्रेन पकड़ने और किसी आपातकालीन

चिकित्सा परिसेवा हेतु सिलीगुड़ी जाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। कई बार लोगों की ट्रेन छूट भी जाती है। इन सभी बातों का हवाला देते हुए मंत्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री तेली से एनएच-10 के अविलम्ब मरम्मत करने की जरूरत बतायी।


# डियर साप्ताहिक लॉटरी मुंबई निवासी ने ₹ 1 करोड़ जीते

मुंबई, महाराष्ट्र के श्री गणपत वच्छराज मेहता ने **28.07.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **80L 88221** है। "डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने के लिए मैं जीवन में काफी भाग्यशाली हूं। आज के समय में पैसे कमाना काफी मुश्किल है। हर एक काम के लिए पैसों की जरूरत है और हमारी आमदनी तथा खर्चों के बीच संतुलन बनाना काफी महत्वपूर्ण है। अब मैं आर्थिक समस्याओं से मुक्त होकर एक बेहतर भविष्य की योजना बना सकता हूं। इस आश्चर्यजनक अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देना चाहता हूं।" विजेता ने कहा।


स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com